तापमान
अधिकतम 39.0 डिग्री
न्यूनतम 21.0 डिग्री

हरिभूमि

रेवाड़ी भूमि

रोहतक, रविवार 1 जून 2025

10 करोड़ों रुपये लेकर गायब हुए व्यापारी की वापसी कार्रवाई को लेकर दुविधा की स्थिति में पुलिस

12 धूम्रपान नहीं करने की गारंट के हस्ताक्षर, युवाओं ने ली तंबाकू उत्पादों से दूरी की शपथ

खबर संक्षेप

घर से कॉलेज के लिए निकली छात्रा लापता

धारूहेड़ा। क्षेत्र के एक गांव में घर से कॉलेज के लिए निकली छात्रा गायब हो गई। पुलिस शिकायत में छात्रा के पिता ने बताया कि उसकी बेटी कॉलेज में बीए प्रथम वर्ष की छात्रा है। वह 29 मई को घर से कॉलेज के लिए निकली थी। इसके बाद वह वापस नहीं आई। शाम तक उसके घर नहीं पहुंचने पर तलाश शुरू की गई। रिश्तेदारियों व दूसरे स्थानों पर तलाश करने के बाद भी उसकी बेटी का कोई पता नहीं चल सका। पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद युवती का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए।

मकान के अंदर खड़ी बाइक चोरी

बावल। आनंद नगर कॉलोनी से चोर एक मकान के अंदर खड़ी बाइक चोरी कर ले गए। पुलिस शिकायत में अशोक कुमार ने बताया कि उसने कुछ समय पूर्व ही नई बाइक खरीदी थी। उसके पंजीकरण नंबर भी अभी तक नहीं मिले हैं। उसने अपनी बाइक मकान के अंदर खड़ी की थी। वह काम से बाहर चला गया। वापस आने पर उसे बाइक नहीं मिली। काफी तलाश करने के बाद भी बाइक का कोई पता नहीं चला। पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी।

बस स्टैंड के पास खड़ी बाइक ले गए चोर

धारूहेड़ा। बस स्टैंड के पास खड़ी खटावली के एक युवक की बाइक चोरी हो गई। पुलिस को दर्ज शिकायत में खटवाली निवासी विकास ने बताया कि वह घर से बाइक पर धारूहेड़ा आया था। बाइक खड़ी करने के बाद वह किसी काम से राजस्थान के खुशखेड़ा कारोली गया था। पीछे से चोर उसकी बाइक चोरी का ले गए। काफी पूछताछ करने के बाद भी उसकी बाइक का कोई पता नहीं चल सका। उसकी ऑनलाइन शिकायत पर धारूहेड़ा थाना पुलिस ने चोरी का केस दर्ज कर लिया। पुलिस ने बाइक का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए।

बिना बताए रूम से लापता हुई युवती

धारूहेड़ा। कस्बे की एक कॉलोनी में रहने वाली 18 साल की युवती बिना बताए कमरे से लापता हो गई। जींद जिले की रहने वाली एक युवती ने पुलिस शिकायत में बताया कि वह और उसकी बहन एक कंपनी में काम करती हैं। दोनों किराए का कमरा लेकर रह रही हैं। उसकी बहन 28 मई को बिना बताए रूम से चली गई। उसने रोहतक के लाखन माजरा निवासी जसबीर पर अपनी बहन को भगा ले जाने का आरोप लगाया है।

घर के बाहर खड़ी स्कूटी ले गए चोर

रेवाड़ी। मोहल्ला बास सिताबराय से चोर एक घर के बाहर खड़ी स्कूटी चोरी कर ले गए। पुलिस शिकायत में मोहल्ला निवासी प्रवीन सैन ने बताया कि उसने अपने घर में ही नाई की दुकान की हुई है। दुकान के पास ही रात को उसने अपनी स्कूटी खड़ी की थी। सुबह जब वह उठकर बाहर आया तो उसे स्कूटी नहीं मिली। आसपास काफी पूछताछ करने के बाद भी उसकी स्कूटी का कोई पता नहीं चल सका। सिटी पुलिस ने उसकी शिकायत पर चोरी का केस दर्ज करने के बाद स्कूटी का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए।

फरवरी माह में रहमस्य ढंग से लापता हुआ था अंकित गुप्ता

करोड़ों रुपये लेकर गायब हुए व्यापारी की वापसी कार्रवाई को लेकर दुविधा की स्थिति में पुलिस

■ तलाश के लिए मंडी के व्यापारियों ने किया था आंदोलन

नरेन्द्र वत्स ▶▶| रेवाड़ी

फरवरी माह में अनाज मंडी से अचानक लापता हुए एक व्यापारी ने दर्जनों व्यापारियों में खलबली मचा दी थी। आरोप लगाया गया था कि लापता हुआ व्यापारी बड़ी संख्या में शहर के व्यापारियों से करोड़ों रुपये लेकर भागा है। उसका पता लगाने के लिए व्यापारियों ने आंदोलन तक शुरू कर दिया था। शनिवार को लापता व्यापारी सकुशल लौट आया। अब पुलिस कार्रवाई को लेकर असमंजस की स्थिति में है। व्यापारी खुद लौटा है या फिर उसे पुलिस लेकर आई है, इस बात का खुलासा करने से अभी पुलिस बचती नजर आ रही है। अनाज मंडी व्यापारी अंकित गुप्ता गत 10 फरवरी को घर से अचानक लापता हो गया था। काफी तलाश करने के बाद भी उसका कोई पता नहीं चला, तो परिजनों ने सेक्टर-3 पुलिस चौकी में उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करा दी थी। अंकित गुप्ता के अचानक लापता होने की खबर शहर में आग की तरह फैल गई थी। व्यापारियों ने अनाज मंडी के मंदिर में एक बैठक का आयोजन करते हुए आरोप लगाए थे कि अंकित गुप्ता ने कई व्यापारियों से करोड़ों रुपये लिए हुए हैं। वह उनके पैसे वापस नहीं लौटा रहा है। पैसे वापस कराने के लिए उन्होंने मॉडल टाउन थाना पुलिस को शिकायत भी दर्ज कराई हुई है। शिकायत दर्ज कराने के बाद अगर समय रहते पुलिस उसे काबू कर लेती, तो वह फरार होने में कामयाब नहीं होता। इसके बाद व्यापारियों ने तत्कालीन एसपी से मिलकर भी अंकित गुप्ता की तलाश कराने और उनका पैसा वापस कराने की मांग उठाई थी। एसपी ने आश्वासन दिया था कि अंकित गुप्ता की तलाश जल्द करा ली जाएगी। इसके बावजूद पुलिस साढ़े तीन माह तक अंकित गुप्ता का पता नहीं लगा सकी थी। अभी तक पुलिस इस बात का खुलासा करने से बच रही है कि व्यापारी खुद आया है या फिर सूचना के आधार पर पुलिस उसे लेकर आई है।

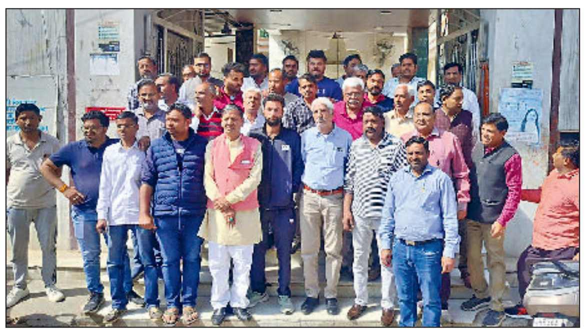

रेवाड़ी। अनाज मंडी में हड़ताल से पहले बैठक में मौजूद व्यापारियों का फाइल फोटो, हड़ताल खत्म कराती भाजपा जिलाध्यक्ष वंदना पोपली। फोटो :हरिभूमि

अपनी मर्जी से घूमने के लिए गया

पुलिस सूत्रों के अनुसार शनिवार को ही अंकित गुप्ता सेक्टर-3 पुलिस चौकी में मौजूद रहा। उसने पुलिस बयान में बताया कि वह अपनी मर्जी से कहीं घूमने के लिए गया था। उसके वापस आने के बाद शाम तक पुलिस कार्रवाई को लेकर अपनी स्थिति स्पष्ट नहीं कर सकी थी। चौकी इंचार्ज ने अजय ने अंकित गुप्ता की वापसी की पुष्टि तो कर दी, परंतु जांच फाइल एसएचओ के पास होने की बात कहते हुए कुछ भी बताने से इनकार कर दिया। दूसरी ओर एसएचओ मॉडल टाउन सीमा ने गेंद चौकी प्रभारी के पाले में डालते हुए कहा कि इस मामले में वहीं कुछ बता सकते हैं।

हड़ताल पर बैठ गए थे व्यापारी

अनाज मंडी के व्यापारी अंकित गुप्ता की तलाश कराने की मांग को लेकर फरवरी माह में ही हड़ताल पर बैठ गए थे। उसी दौरान मंडी में सरसों की आवक तेज होने वाली थी, जिस कारण प्रशासन के हाथ-पैर भी फूल गए थे। कई दिनों तक व्यापारियों की हड़ताल के बाद सरकारी स्तर पर उन्हें आश्वासन दिया गया था कि लापता व्यापारी का जल्द पता लगाया जाएगा। व्यापारियों के आंदोलन की आवाज ने प्रदेश सरकार के कान भी खड़े कर दिए थे। इसके बाद भाजपा जिलाध्यक्ष वंदना पोपली ने अनाजमंडी जाकर व्यापारियों की हड़ताल खत्म कराई थी।

लेफ्टिनेंट कर्नल की स्मृति में प्रतिभाओं का किया सम्मान

■ प्राचार्य मनोज कुमार ने अतिथियों का स्वागत किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बीकानेर में समाज सेविका मिथलेश यादव ने अपने पति लेफ्टिनेंट कर्नल स्व. ओमप्रकाश यादव की पुण्य स्मृति पर कक्षा दसवीं तथा बारहवीं की प्रतिभाओं को सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन जीव विज्ञान प्रवक्ता विक्टोरिया ने किया। प्राचार्य मनोज कुमार ने अतिथियों का स्वागत किया। एसएमसी अध्यक्ष दीपिका सोनी की अध्यक्षता की। कार्यक्रम में समाजसेविका मिथलेश यादव मुख्य अतिथि तथा हांस्य कवि हलचल हरियाणवी व गोविंद सिंह बीकानेरे विशिष्ट अतिथि थे। कार्यक्रम में बोर्ड परीक्षाओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली प्रतिभाओं को 5100, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली प्रतिभाओं को 3100, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली प्रतिभाओं को 2100 तथा 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 21 विद्यार्थियों को 1100 रुपए का नकद पुरस्कार तथा स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। उन्होंने दसवीं की ईशा, चंचल, साक्षी, खुशी, ऋतु, अंशु, मंजू, मुस्कान, अनूप, शायना, भावना, मयंक, सलोनी व दुष्यंत तथा कक्षा बारहवीं की चंचल, मानसी, प्रिया, भावना, नेहा, तनीषा, शिवी, तनीषा, अंजलि, खुशी व भावना सहित दोनों कक्षाओं के मेरिट प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पूर्व एसएमसी अध्यक्ष होशियार सिंह, सदस्य कैप्टन फकीर चंद, सोमबीर यादव, सत्ते सिंह, मनीषा शर्मा, रेखा रोहिल्ला, मीनाक्षी चुग, सहित अध्यापक रविंद्र कुमार, मुकेश कुमार, हरिता शर्मा, पूनम देवी, मंजू लता, प्रिया व राजेश कुमार सहित सभी स्टाफ सदस्य व अभिभावक मौजूद थे।

रेवाड़ी। बीकानेर स्कूल में मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए।

बच्चों के लिए पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद और अन्य गतिविधियां भी जरूरी: सैनी

रेवाड़ी। राज इंटरनेशनल स्कूल में प्री नर्सरी से कक्षा आठवीं तक के बच्चों की ओर से ग्रीष्मकालीन अवकाश से पहले फन-डे मनाया गया, जिसमें बच्चों ने अनेक प्रकार की गतिविधियों में भाग लिया। बच्चों ने रेन डांस, स्पलैश पूल, ट्रेम्पोलीन और मिकी माउस, म्यूजिकल चेयर, डांस व स्नैच करचीफ आदि गतिविधियों में मस्ती की। इस मौके पर स्कूल निदेशक नवीन सैनी, जितेंद्र सैनी, हेमंत सैनी और जयश्री सैनी उपस्थित थे। विद्यालय के चेयरमैन राजेंद्र सैनी ने बच्चों को ग्रीष्मकालीन अवकाश में बरतने वाली सावधानियों से अवगत कराया। निदेशक नवीन सैनी ने कहा कि बच्चों के लिए पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद और अन्य गतिविधियां भी जरूरी हैं। इनसे बच्चों को न केवल मनोरंजन मिलता है बल्कि उनका रचनात्मकता, सामाजिक कौशल और आत्मविश्वास भी बढ़ता है। इस दौरान सभी शिक्षिक भी उपस्थित थे। इस अवसर पर इंटरप्रेयोर सेक्शन के बच्चों ने स्वादिष्ट व्यंजनों की स्टॉल लगाकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। अभिभावकों ने बच्चों के हुनर की प्रशंसा की।

जीवड़ा स्कूल में प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को किया सम्मानित

रेवाड़ी। जीवड़ा स्कूल में बच्चों को शिक्षण सामग्री भेंट करते हुए। फोटो :हरिभूमि

■ जरूरतमंद बच्चों को पाठ्य पुस्तक सामग्री भेंट की गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

राजकीय प्राथमिक पाठशाला जीवड़ा में शनिवार को स्व. मास्टर बलबीर सिंह की 12वीं पुण्यतिथि पर विद्यालय के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य शिक्षिका राधा रानी ने की। उन्होंने कहा कि प्रगतिशील शिक्षक परिवार की ओर से प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रत्येक वर्ष अपनी पेंशन से पढ़ाने वाले गुरुजी की पुण्यतिथि पर सम्मानित किया जाता है। इस प्रकार के आयोजन से विद्यार्थियों में उत्साह की भावना उत्पन्न होती है। इस अवसर पर जरूरतमंद बच्चों को पाठ्य पुस्तक सामग्री भेंट की गई। इस अवसर पर मोरविन, दीपिका, जस्विता व दिव्या को भी प्रशस्ति पत्र व नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

सामाजिक कार्यकर्ता प्राध्यापक हर्ष कुमार ने विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित कर खेल-खेल में पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर मास्टर अरविंद, सेवानिवृत्त सूबेदार सतबीर सिंह, राजवीर, दिलबर पूर्व सरपंच, एसएमसी प्रधान मंजू देवी, रणधीर सिंह, सुशीला देवी, रीना सुपरवाइजर, कांता देवी, निर्मला देवी व मास्टर गौरव सहित अनेक ग्रामवासी उपस्थित थे।

सनग्लो स्कूल में विद्यार्थियों के लिए फन-डे का आयोजन

■ कक्षा छठी से 12वीं के छात्रों को बीएमजी मॉल में मूवी दिखाई गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

नारनौल रोड स्थित सनग्लो इंटरनेशनल स्कूल में शनिवार को नर्सरी से 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए फन-डे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नर्सरी से पांचवी तक के छोटे-छोटे छात्रों के लिए पूल पार्टी का आयोजन किया गया। पूल पार्टी में बच्चों ने पानी में खूब मस्ती की। कक्षा छठी से 12वीं के छात्रों को बीएमजी मॉल में मूवी दिखाई गई। इस अवसर पर स्कूल के अध्यक्ष डा. वीपी यादव, निदेशिका शारदा यादव व प्रधानाचार्या गरिमा यादव ने कहा कि स्कूल का उद्देश्य केवल शिक्षा देना ही नहीं, बल्कि बच्चों को खुश रखना और उन्हें नए अनुभव देना भी है। इस तरह की गतिविधियां बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण होती हैं। इस मौके पर सभी शिक्षक भी मौजूद थे।

रेवाड़ी। बीएमजी मॉल में मौजूद विद्यार्थी। फोटो :हरिभूमि

कोसली अस्पताल में आपदा से निपटने के लिए मॉक ड्रिल का आयोजन

कोसली। उपमंडल आपदा प्रबंधन कमेटी के चेयरमैन एवं एसडीएम विजय कुमार यादव व डीएसपी विद्यानंद के नेतृत्व में शनिवार को कोसली नागरिक अस्पताल में ऑपरेशन शील्ड के तहत मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। आपरेशन में कोसली, पाल्हावास तथा जाटूसाना थाना, फायर ब्रिगेड, स्वास्थ्य विभाग, आपदा मित्र, शिक्षा विभाग व राजस्व विभाग की टीमों ने भाग लिया। कोसली अस्पताल में नागरिक सुरक्षा अभ्यास किया गया। एसडीएम ने बताया कि अभ्यास का उद्देश्य मौजूदा आपातकालीन तंत्र का परीक्षण करना, नागरिक प्रशासन, पुलिस बलों और स्थानीय समुदायों के बीच समन्वय में सुधार करना तथा उन क्षेत्रों की पहचान करना है। ऑपरेशन के दौरान 9 घायलों को बचाया गया। शनिवार शाम 5 बजे सायरन के साथ ही प्रशासनिक टीम आगजनी व एयर स्ट्राइक जैसी आपदा की स्थिति से निपटने के लिए एक्टिव मोड में आ गई और लोग स्वयं सुरक्षित स्थानों पर पहुंचने लगे। टीम ने अस्पताल में छत पर फंसे लोगों को सुरक्षित उतारकर इलाज के लिए इमरजेंसी वार्ड में पहुंचाया गया। मॉक ड्रिल में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य डीएन भारद्वाज, कोसली थाना प्रबंधक कश्मीर सिंह, उप अधीक्षक राजेश कुमार व एनएसएस यूनिट प्रभारी सोनिया लांबा मौजूद थे।

रेवाड़ी। कैंप में गतिविधियों में भाग लेते बच्चे। फोटो :हरिभूमि

डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल में समर कैंप का समापन

रेवाड़ी। पुलिस लाइन स्थित डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल में शनिवार को छह दिवसीय ग्रीष्मकालीन शिविर का समापन किया गया। विद्यार्थियों ने कैंप में विभिन्न गतिविधियों में बड़े उत्साह से भाग लिया। शनिवार को वैदिक हवन से ग्रीष्मकालीन कालीन शिविर का शुभारंभ हुआ। शिविर में अंग्रेजी बोलचाल की कक्षाएं, कंप्यूटर कक्षाएं, इनडोर और आउटडोर खेल, आग के बिना खाना पकाने, ड्राइंग, रंग भरना, पेंटिंग और प्रिंटिंग, आर्ट एंड क्रॉफ्ट, योग और एरोबिक्स, नृत्य, संगीत और नाटक प्रदर्शन सहित स्केटिंग की गतिविधियां कराई गई। इस अवसर पर बच्चों ने फन-डे भी मनाया। विद्यालय के प्रधानाचार्य नरेंद्र सिंह दहिया ने विद्यार्थियों को अपने ग्रीष्मकालीन अवकाश का सदुपयोग करने और नए कौशल विकसित करने के लिए प्रेरित किया। कैंप में सभी स्टाफ सदस्यों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

एक सप्ताह तक मौसम में बार-बार बदलाव की उम्मीद, नौतपा की समाप्ति पर अच्छी बरसात के आसार

तापमान ने लगाई 6.0 डिग्री की छलांग, उमस ने छुड़ाए पसीने

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

मौसम का मिजाज पल-पल बदल रहा है। नौतपा के पहले सात दिनों में तापमान 40.0 डिग्री से नीचे बना रहा है, जिस कारण धरती तपने की संभावनाओं पर इंद्रदेव ने पानी फेर दिया। तापमान में 6.0 डिग्री की वृद्धि ने उमस भरी गर्मी ने लोगों के जमकर पसीने छुड़ाए, तो शाम के समय हल्की बरसात से मौसम ठंडा हो गया। अभी एक सप्ताह तक मौसम इसी तरह का बना रह सकता है। गत वर्ष की तुलना में इस बार मई माह में तापमान ज्यादातर सामान्य से कम बना रहा है। शनिवार को सुबह के समय आसमान साफ रहने के कारण तेज धूप खिली रही। हवा में नमी का स्तर 60 फीसदी तक रहने के कारण उमस भरी गर्मी ने दोपहर बाद तक लोगों के जमकर पसीने छुड़ाए। कूलरों की हवा भी बेअसर साबित होने लगी। चिपचिपाहट भरी गर्मी ने शाम होने तक जमकर परेशान किया। अधिकतम तापमान 6.0 डिग्री सेल्सियस बढ़कर 39.0 डिग्री पर पहुंच गया। न्यूनतम तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस की कमी के साथ 21.0 डिग्री पर आ गया। गत वर्ष 31 मई को अधिकतम तापमान 47.0 डिग्री और न्यूनतम 28.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। इस बार दोनों तापमान सामान्य से कम चल रहे हैं। शनिवार को दोपहर बाद ही आसमान में घने बादल छा गए। इसके बाद कई इलाकों में बूंदाबांदी शुरू हो गई। हल्की फुवारें गिरने के बाद मौसम का मिजाज ठंडा पड़ गया। इससे लोगों को उमस भरी गर्मी से काफी राहत मिल गई।

रेवाड़ी। शनिवार को हल्की बरसात से नेहरू पार्क के सामने जमा पानी। फोटो :हरिभूमि

जल्द झमाझम बारिश की संभावना

मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता के चलते मौसम में परिवर्तन का दौर आने वाले सप्ताह में भी जारी रह सकता है। नौतपा शुरू होने से पहले 24 मई की रात अच्छी बारिश हुई थी। अब नौतपा खत्म होने के दिन 2 जून को भी बारिश की संभावना जताई जा रही है। रविवार को भी कुछ स्थानों पर बरसात हो सकती है। लगभग एक सप्ताह तक आसमान में बार-बार बादल छाए रह सकते हैं। तेज हवाओं के साथ हल्की या मध्यम बारिश हो सकती है। शाम के समय कई इलाकों में हल्की बरसात से मौसम खुशगवार हो गया।

रेवाड़ी। आनंद प्रकाश को सेवानिवृत्ति पर स्मृति चिंह भेंट करते हुए। फोटो :हरिभूमि

रीजनल सेंटर के नॉन टीचिंग स्टाफ से सेवानिवृत्त कर्मचारी का किया सम्मान

कोसली। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के कृष्ण नगर स्थित रीजनल सेंटर में नॉन टीचिंग कर्मी आनंद प्रकाश की सेवानिवृत्ति पर विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रीजनल सेंटर के सहकर्मियों ने उनकी कार्यशैली व कर्मठता की सराहना की तथा संस्थान के प्रति उनके योगदान को सम्मानपूर्वक याद किया गया। निदेशक डा. यशपाल शर्मा ने आनंद प्रकाश के कार्य के प्रति समर्पण और सेवाभाव की सराहना की। प्रवक्ता डा. अनिल कुमार यादव ने कहा कि सेवानिवृत्ति का अवसर जीवन का एक हिस्सा है। इस अवसर पर डा. अंजलि यादव, डा. प्रदीप शर्मा, अजय पाल, अंजू शर्मा, वीरेंद्र यादव, बिमला देवी, संदीप यादव, पूर्व मंत्री विक्रम सिंह यादव, रामनिवास, विजय प्रकाश, ब्रह्म प्रकाश, अभय सिंह, सुमेर सिंह, रामकुवार व रामपाल सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

खबर संक्षेप

सरकार से की नाहड़ में बस अड्डा बनाने की मांग

कोसली। नाहड़ गांव के सामाजिक संगठन जागृति मंच ने हरियाणा सरकार से क्षेत्र के खंड मुख्यालय नाहड़ में परिवहन विभाग की ओर से पूर्व में घोषित सामान्य बस अड्डा बनाए जाने की मांग की है। संगठन ने कोसली विधायक अनिल यादव को दिए पत्र में कहा कि खंड मुख्यालय नाहड़ का अपना एक अलग ही ऐतिहासिक, सामाजिक, राजनैतिक व भौगोलिक महत्व रहा है। नवाबी काल में यह दुजाना स्टेट के नाहड़िया नवाब की राजधानी भी रही है।

ट्रेनों में एक दिन में चोरी के तीन मामले दर्ज

रेवाड़ी। ट्रेनों में चोरी और झपटमारी की वारदातों पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। अगल-अलग ट्रेनों में हो चुकी चोरी की वारदातों के बाद जीआरपी ने तीन एफआईआर दर्ज की हैं। बीकानेर के डुडी जंभेश्वर नगर निवासी सुभाष चंद ट्रेन से बीकानेर से दिल्ली जा रहा था। रेवाड़ी स्टेशन के पास उसका मोबाइल फोन व पर्स चोरी हो गया। पर्स में उसके जरूरी कागजात थे। जीआरपी ने जीरो एफआईआर के आधार पर चोरी का केस दर्ज कर लिया। भिवानी के खरखड़ी निवासी मंजू देवी ने जीआरपी को दर्ज शिकायत में बताया कि वह जोधपुर रेलवे स्टेशन से हावड़ा के लिए ट्रेन में यात्रा कर रही थी।

ऑपरेशन शील्ड के तहत सुरक्षा अभ्यास, सायरन बजते ही आपातकाल स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन अलर्ट

आपातकालीन तैयारियों और क्षमताओं को बढ़ाने के लिए ऑपरेशन शील्ड नामक नागरिक सुरक्षा अभ्यास किया

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रेवाड़ी

प्रशासन की ओर से शनिवार को जिले में आपातकालीन तैयारियों और क्षमताओं को बढ़ाने के लिए ऑपरेशन शील्ड नामक नागरिक सुरक्षा अभ्यास किया गया। यह व्यापक अभ्यास गृह मंत्रालय भारत सरकार के मार्गदर्शन व हरियाणा सरकार के निर्देशानुसार किया गया। प्रशासन की ओर से जिला पुलिस लाइन परिसर में मॉक ड्रिल की। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के चेयरमैन एवं डीसी अभिषेक मीणा के नेतृत्व में नागरिक सुरक्षा अभ्यास किया गया, जिसमें आपदा की स्थिति में हुई जान माल की रक्षा के लिए पर्याप्त व्यवस्था की गई। डीसी ने बताया कि इस अभ्यास का उद्देश्य मौजूदा आपातकालीन तंत्र का परीक्षण करना, नागरिक प्रशासन, रक्षा बलों व स्थानीय समुदायों के बीच समन्वय में सुधार करना तथा उन क्षेत्रों की पहचान करना है, जिन्हें मजबूत करने की आवश्यकता है। जिले में नागरिक सुरक्षा तंत्र और आपातकालीन प्रतिक्रिया का परीक्षण और सुदृढ़ीकरण करने के उद्देश्य से यह दूसरी मॉक ड्रिल की गई। शनिवार को शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में रात 8 से 8:15 बजे तक एयर स्ट्राइक के मद्देनजर आयोजित मॉक ड्रिल में ब्लैक आउट भी किया गया। लोगों ने इस समय अंतरात में इंडोर व आउटडोर की सभी लाइटें बंद रखी।

इन जगहों पर हुई मॉक ड्रिल एयर स्ट्राइक को लेकर पुलिस लाइन परिसर, बीएमजी टाउनशिप, बावल कृषि विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र व कोसली सामान्य अस्पताल

रेवाड़ी। मॉक ड्रिल के दौरान महिला को अस्पताल ले जाती टीम व मॉक ड्रिल के दौरान व्यक्ति को छत से उतारते हुए टीम व मॉक ड्रिल के दौरान आग बुझाते हुए फायर ब्रिगेड।

एक्टिव हो गई टीम

मॉक ड्रिल में शाम 5 बजे सायरन बजने के साथ ही पुलिस लाइन परिसर, बीएमजी टाउनशिप, बावल कृषि विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र व कोसली सामान्य अस्पताल में अभ्यास शुरू हुआ। सायरन के बजने के साथ ही आगजनी व एयर स्ट्राइक जैसी आपदा की स्थिति में सभी एक्टिव मोड़ में आ गए और लोग स्वयं सुरक्षित स्थानों पर पहुंचने लगे। आपदा की स्थिति के दौरान छतों पर फंसे लोगों को फायर बिग्रेड कर्मियों, आपदा मित्रों व एनसीसी वॉलिंटियर्स ने सुरक्षित तरीके से नीचे उतारा गया और इलाज के लिए निकटवर्ती अस्पताल में पहुंचाया गया। पुलिस लाइन में की गई मॉक ड्रिल में इंसिडेंट कमांडर एवं डीएमसी राहुल मोदी ने अभ्यास पूर्ण होने उपरांत अधिकारियों की बैठक ली और जिलेभर में हुई मॉक ड्रिल का विभागीय स्तर पर रिस्पॉन्स टाइम भी चेक किया। बैठक में डीआरओ प्रदीप देशवाल, डीएसपी जोगेंद्र शर्मा व डीएसपी विनोद शंकर सहित अन्य अधिकरी मौजूद थे। डीसी ने बताया कि मॉक ड्रिल के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया कि ऐसी स्थिति आने पर आश्रय के रूप में एक सुरक्षित आंतरिक कमरे या तहखाने की पहचान करें। फैमिली ड्रिल्स का अभ्यास करें, लाइट बंद करें, 1-2 मिनट के भीतर सुरक्षित क्षेत्र में इकट्ठे हों। इस दौरान लोगों में जागरूकता लाने के लिए सचिवालय में कंट्रोल रूम भी बनाया गया। डीसी ने बताया कि यह मॉक ड्रिल आपातकालीन स्थिति में सावधानियां बरतने के उद्देश्य से कराई गई है। उन्होंने कहा कि आमजन अपने क्षेत्र में होने वाली किसी भी संदिग्ध गतिविधि की रिपोर्ट तुरंत पुलिस और स्थानीय अधिकारियों को दें। राज्य सरकार ने आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के तहत जिला और राज्य व दोनों स्तरों पर घटना प्रतिक्रिया प्रणाली को औपचारिक रूप से लागू कर दिया है। इस पहल का उद्देश्य प्रतिक्रिया तंत्र को सुव्यवस्थित करना, आपातकालीन स्थितियों के दौरान भ्रम को कम करना और तदर्थ उपायों पर निर्भरता को कम करना है। उन्होंने कहा कि इस अभ्यास का उद्देश्य नागरिकों को किसी भी आपात स्थिति के लिए तैयार करना तथा विकट स्थिति के दौरान बड़े पैमाने पर दहशत की संभावना को कम करना है। डीसी व एसपी ने प्राधिकरण के सभी सदस्यों सहित अन्य गणमान्य प्रतिनिधि के साथ बैठक भी की और आपदा की स्थिति से निपटने के लिए किए जाने वाले प्रबंधों की समीक्षा की।

8 से 8:15 बजे तक ब्लैक आउट

एयर रेड सायरन बजाकर आपदा की चेतावनी, सिविल डिफेंस कंट्रोल रूम और इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर की स्थापना, आग, गैस रिसाव, भवन ढहने जैसी आपदाओं की काल्पनिक परिस्थितियां, मेडिकल टीम द्वारा त्वरित प्राथमिक उपचार, वायरलेस-कम्युनिकेशन सिस्टम के माध्यम से विभागीय समन्वय, रात 8 से 8:15 बजे तक ब्लैक आउट व विभिन्न विभागों की मॉक जिम्मेदारी और मूल्यांकन।

रेवाड़ी। मॉक ड्रिल के दौरान मौके पर मौजूद अधिकारी। फोटो :हरिभूमि

एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने पुलिस अधिकारियों को अपराधों की रोकथाम के दिए सख्त निर्देश

आमजन के साथ मैत्रीपूर्ण व्यवहार करते हुए अपराध व अपराधियों से सख्ती से निपटे पुलिस

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रेवाड़ी

एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने कहा कि जिले भर में अपराध व अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में और तेजी लाए तथा गैर कानूनी कार्य करने वालों से सख्ती से निपटा जाए। पुलिस अधीक्षक जिले के पर्यवेक्षण अधिकारियों, प्रभारी क्राइम यूनिट, थाना प्रबंधकों एवं चौकी प्रभारियों को बैठक में निर्देश दे रहे थे। एसपी ने सभी थाना प्रभारियों एवं प्रभारी क्राइम यूनिट से विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि आमजन से मैत्रीपूर्ण व्यवहार करें और अपराध और अपराधियों से सख्ती से निपटें। एसपी ने कहा की नशा सभी अपराधों की जड़ है, इसलिए नशे के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान में और तेजी लाएं तथा विभिन्न प्रकार के नशा बेचने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करें। मादक पदार्थ तस्करी के मुख्य स्रोत तक शिकंजा कसें तथा अवैध कार्यों एवं अपराधों से अर्जित की गई संपत्ति को अटैच कर कार्यवाही में तेजी लाएं। उन्होंने कहा कि जिले में सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने के लिए सभी सुरक्षा एजेंट को हमेशा एक्टिव रखें तथा विदेशी नागरिकों व किराएदारों की वेरिफिकेशन कराकर उनका पूरा डाटा भी अपने पास रखें। एसपी ने फील्ड अधिकारियों को लोगों के प्रति अधिक संवेदनशील होने, उन्हें धैर्यपूर्वक सुनने और उनकी शिकायतों का पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से निवारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों को गंभीरता से ले और उन्हे शीघ्र न्याय दिलाने का प्रयास करें। उन्होंने कहा की विभिन्न मामलों में वांछित आरोपियों की धर-पकड़ तेज की जाए तथा अदालतों में चल रहे विभिन्न मुकदमों की बेहतर ढंग से पैरवी की जाए ताकि अपराध करने वाला व्यक्ति किसी भी सूरत में सजा से बच न पाए। उन्होंने कहा कि सभी पुलिस अधिकारी न्याय हित में कार्य करते हुए अपने अधिकारों का गलत इस्तेमाल न करें। एसपी ने सभी थाना प्रभारियों से उनके थाना की प्रगति रिपोर्ट भी ली। उन्होंने कहा कि किसी भी अपराध के घटित होने पर तत्काल कार्रवाई करें ताकि कोई घटना बड़ा मुद्दा न बन पाए। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि अपराध और अपराधियों खिलाफ शिकंजा कसने के लिए नए लक्ष्य निर्धारित कर उन्हें पूरा करें। उन्होंने बताया गया कि तीन नए कानूनों को पूर्ण रूप से लागू किया जा चुका है। सभी को नए कानूनों के अनुसार पुलिस कार्यवाही तीव्र व प्रभावी होगी। अपराधों की रोकथाम तथा आमजन में सुरक्षा की भावना पैदा करने के लिए क्षेत्र में पुलिस की गस्त को और ज्यादा बढ़ाई जाए।

रेवाड़ी। पुलिस अधिकारियों को दिशा-निर्देश देते हुए एसपी हेमेंद्र मीणा। फोटो :हरिभूमि

कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं

एसपी ने यातायात नियमों की अवहेलना करने वालों में ट्रिपल राइडिंग, बिना नम्बर प्लेट, ब्लैक फिल्म व बुलेट पटाखा मोटरसाइकिल के खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके अलावा मुखौटा बांधकर चलने वाले युवाओं पर पैनी नजर रखे। एसपी ने कहा कि थाने व चौकियों में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि अच्छा कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को सम्मानित किया, लेकिन काम में लापरवाही व कोताही किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं की जाएगी। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि भ्रष्टाचार किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं होगा, सभी जीरो टॉलरेंस पर नेक नियति, ईमानदारी से काम करें। इस अवसर पर डीएसपी हेडक्वार्टर डा. रविन्द्र सिंह,डीएसपी सिटी जोगेंद्र शर्मा, डीएसपी बावल सुरेन्द्र श्योराण, डीएसपी कोसली विद्यानंद व डीएसपी ट्रैफिक विनोद शंकर सहित सभी थाना प्रबंधक, चौकी इंचार्ज, क्राइम यूनिट इंचार्ज व एसपी कार्यालय इंचार्ज मौजूद थे।

दोस्त ने शराब पीते समय दिया घटना को अंजाम

जाटूवास गांव में चाकू से गोदकर युवक का मर्डर

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रेवाड़ी

जाटूसाना गांव में शुक्रवार की रात दोस्त के साथ बैठकर शराब पी रहे युवक की झगड़ा होने के बाद दोस्त ने ही चाकू से गोदकर हत्या की। उसका शव शनिवार शाम जाटूवास के खेतों में पड़ा मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर सीन ऑफ क्राइम टीम को मौके पर बुलाया। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। शव का पोस्टमार्टम रविवार को कराया जाएगा। भाड़ावास निवासी 24 वर्षीय रोहित शुक्रवार शाम घर से निकला था। इसके बाद वह घर नहीं लौटा। परिजनों ने रात को ही उसकी तलाश शुरू की, परंतु उसका कोई पता नहीं चल सका। परिजनों ने उसकी गुमशुदगी की सूचना पुलिस को दी। शनिवार शाम जाटूवास निवासी कमल के खेत में लोगों ने शव पड़ा देखा। लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर जाकर शव कब्जे में ले लिया। शव की मौके पर ही शिनाख्त कराने के प्रयास किए गए। मृतक की शिनाख्त रोहित के रूप में हो गई। मृतक की गर्दन पर धारदार हथियार के निशान पाए गए। शव मिलने के बाद पुलिस हरकत में आ गई। पुलिस मामले में छानबीन शुरू कर दी।

शराब के नशे में आपा खो बैठा नागर

पूछताछ के दौरान नागर ने पुलिस को बताया कि वह और रोहित साथ बैठकर शराब पी रहे थे। इसी दौरान रोहित के साथ उसकी बहस हो गई। उसने उसके खिलाफ जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल किया, तो उसने रोहित पर चाकू से हमला कर दिया। इसके बाद वह वहां से फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उसे कोर्ट से रिमांड पर लिया जाएगा।

मां-बाप पर टूखा दुखों का पहाड़

रोहित अपने माता-पिता का इकलौता बेटा है। उसका पिता प्रदीप गांव में खेती-बाड़ी का कार्य करता है। परिजनों के अनुसार रोहित की किसी से कोई रंजिश भी नहीं थी। खेती के कार्य में पिता का हाथ बंटाता था। जिले में तीन दिन के अंतराल में हत्या का यह तीसरा मामला है। इससे पूर्व कुतुबपुर निवासी नमन की हत्या कर दी गई थी। वह भी मां-बाप का इकलौता बेटा था।

प्रशिक्षुओं को दिलाई तंबाकू का इस्तेमाल नहीं करने की शपथ

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रेवाड़ी

नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र की ओर से शनिवार को अंतरराष्टीय तंबाकू दिवस पर सहारनवास आईटीआई में प्रशिक्षुओं को तंबाकू पदार्थों का सेवन नहीं करने की शपथ दिलाई। प्रशिक्षुओं को तंबाकू के इस्तेमाल से होने वाले दुष्प्रभावों पर जागरूक किया गया। आईटीआई में आयोजित कार्यक्रम में मनोविज्ञानी कुमारी संदीपा अरोड़ा ने कहा कि तंबाकू एक ऐसा नशा है, जिसका इस्तेमाल शुरू करने के बाद इंसान उसका आदि हो जाता है। तंबाकू के इस्तेमाल से कैंसर का खतरा कई गुणा बढ़ जाता है, जिस कारण इससे बचे रहना जरूरी है। नशा मुक्ति केंद्र के परियोजना समन्वयक जोगेंद्र सिंह ने कहा कि तंबाकू के सेवन से हर साल लाखों लोग कैंसर से मौत का शिकार हो जाते हैं। तंबाकू का आदि हो चुके लोगों के लिए इसे त्यागना कोई मुश्किल कार्य नहीं है। युवा वर्ग को चाहिए कि वह खुद नशे की लत से बचते हुए अपने दोस्तों और रिश्तेदारों को भी नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराया।

आईटीआई में प्रशिक्षुओं को जानकारी देते वक्ता।

जिमखाना क्लब से गढ़ी बोलनी रोड तक सफाई अभियान

रेवाड़ी। शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने की मुहिम के तहत शनिवार को विधायक लक्ष्मण सिंह यादव की अगुवाई में सेक्टर-4 स्थित जिमखाना क्लब से गढ़ी बोलनी रोड़ पर सफाई अभियान चलाया गया। इस दौरान ताइक्वांडो खिलाड़ियों ने जागरूकता रैली निकालकर स्वच्छता का संदेश भी दिया। इस मौके पर विधायक ने आगामी 15 जून को आयोजित होने वाली मुख्यमंत्री नायाब सिंह सैनी की रैली का निमंत्रण भी दिया। विधायक की अगुवाई में प्रत्येक शनिवार को चलाए जा रहे सफाई अभियान का यह 32वां संस्करण था। इस मौके पर ताइक्वांडो वैलफेयर एसोसिएशन के प्रधान त्रिवेंद्र गुप्ता की अगुवाई में ताइक्वांडो खिलाड़ियों ने स्वच्छता जागरूकता रैली निकाली। विधायक ने खिलाड़ियों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में युवा भाजपा नेता राहुल यादव अपनी टीम के साथ शामिल हुए।

आरपीएस कॉलेज बलाना में टैलेंट हंट व स्कॉलरशिप टेस्ट आज

हरिभूमि न्यूज ▸▸ महेंद्रगढ़

आरपीएस कॉलेज बलाना में 12वीं पास छात्र-छात्राओं के लिए एक जून को टैलेंट हंट एवं स्कॉलरशिप टेस्ट का आयोजन किया जाएगा। कॉलेज रजिस्ट्रार डॉ. देवेंद्र यादव ने बताया कि इस टैलेंट हंट का आयोजन 12वीं पास साइंस, आर्टस व कॉर्मस विषय से संबंधित सभी विद्यार्थियों के लिए आयोजित किया जाएगा। परीक्षा का आयोजन कॉलेज में सुबह 10 बजे किया जाएगा। डॉ. यादव ने बताया कि टैलेंट हंट एवं स्कॉलरशिप परीक्षा के साइंस, आर्टस व कॉर्मस विषयों के प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर आने वाले छात्रों को लैपटॉप, टैब व फोन ईनाम स्वरूप दिए जाएंगे। इसी प्रकार चौथे स्थान से 50वें स्थान पर विषयवार 100 प्रतिशत तक छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। कॉलेज सीईओ इंजी. मनीष राव ने बताया कि इस परीक्षा का उद्देश्य छात्रों की प्रतिभा को निखारने के अतिरिक्त जरुरतमंद विद्याथियों को छात्रवृत्ति प्रदान कर जीवन में सफल बनाने का है। 3700 छात्रों परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन करवा चुके है। रविवार को परीक्षा आयोजित की जाएगी।

आरपीएस कॉलेज का भवन।

आईपीएल मैच में रैंक दिलाने के नाम पर ठगी के दो आरोपी काबू

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रेवाड़ी

साइबर थाना पुलिस ने आईपीएल मैचों में रैंक दिलाकर ठगी करने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उन्हें कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक अभिरक्षा के तहत जेल भेज दिया गया।

मुंढलिया निवासी सचिन शर्मा ने साइबर थाना पुलिस को दर्ज शिकायत में बताया था कि वह 27 अप्रैल को टेलीग्राम अकाउंट के जरिए मिले नंबर से व्हाट्स एप से जुड़ गया था। उसे आईपीएल मैचों में रैंक दिलाने को कहा। इसके बदले उससे पेमेंट करने को कहा। उसे बताया गया कि प्राइम मेंबरशिप वालेट वेरिकेशन के लिए उसे पेमेंट करनी होगी। उसने पैसा कमाने के चक्कर में अलग-अलग ट्रांजेक्शन के जरिए 168597 रुपये ट्रांसफर कर दिए। उसे रैंकिंग के नाम पर कुछ नहीं मिला। बाद में उसी नंबर पर संपर्क करके पैसे लौटाने को कहा, तो बात करने वाले ने उसे पैसा नहीं लौटाने की बात कही। साइबर थाना पुलिस ने उसकी शिकायत पर 21 मई को केस दर्ज किया था।

दोनों के खातों में ट्रांसफर हुई थी रकम

पुलिस के अनुसार सचिन शर्मा ने जो रकम ट्रांसफर की थी, उसमें से महमूद के बैंक खाते में 50 हजार रुपये और आमिर खान के खाते में 30400 रुपये गए थे। पुलिस ने दोनों आरोपियों को शनिवार को कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेजने के आदेश दिए गए।

नशा सामाजिक कुरीति, मिलकर खत्म करना जरूरी: नीरज

- एचएसएनसीबी की ओर से नशा तस्करों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई के साथ-साथ समाज को नशे के प्रति जागरूक किया जा रहा
- नशा सामाजिक, पारिवारिक और व्यक्तिगत जीवन को बर्बाद कर देता

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रेवाड़ी

एचएसएनसीबी की ओर से हरियाणा में नशा तस्करों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही के साथ-साथ समाज को नशे के प्रति जागरूक भी किया जा रहा है। एनएसीबी जिला यूनिट की ओर से शनिवार को गांव बुढ़पुर में नशे के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाया गया। यूनिट के इंचार्ज निरीक्षक नीरज कुमार ने कहा कि राज्य को नशा मुक्त बनाने के लिए हरियाणा सरकार व नारकोटिक्स विभाग दृढ़ संकल्पित और निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने बुजुर्गों, युवाओं, मजदूरों व अन्य व्यक्तियों को नशे के दुष्परिणामों के से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि नशा एक सामाजिक कुरीति है तथा हम सभी को मिलकर इसे खत्म करना है। नशा सामाजिक, पारिवारिक और व्यक्तिगत जीवन को बर्बाद कर देता है। इसकी लत व्यक्ति की शारीरिक, मानसिक और आर्थिक स्थिति को बुरी तरह प्रभावित करती है। नशे को समाप्त करना एक लंबी और सामूहिक प्रक्रिया है, जिसमें सरकार, परिवार, शिक्षा संस्थाएं, मीडिया, और आम नागरिकों की भागीदारी अनिवार्य है।

रेवाड़ी। गांव में लोगों को जागरूक करते एनसीबी यूनिट के सदस्य। फोटो :हरिभूमि

नाम परिवर्तन

मैं, रेनू देवी पत्नी प्रवीन कुमार निवासी ग्राम-नेहरुगढ़, जिला-रेवाड़ी ने अपना नाम रेनू से बदलकर रेनू देवी रख लिया है।

अंतरराष्ट्रीय तंबाकू निषेध दिवस पर हरिभूमि की मुहिम सैकड़ों लोगों ने हस्ताक्षर अभियान में लिया हिस्सा

धूम्रपान नहीं करने की गारंटी के हस्ताक्षर युवाओं ने ली तंबाकू उत्पादों से दूरी की शपथ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

अंतरराष्ट्रीय तंबाकू निषेध दिवस पर शनिवार को सामान्य बस स्टैंड पर राष्टीय दैनिक समाचार पत्र 'हरिभूमि' की ओर से हस्ताक्षर अभियान चलाया जाएगा। अभियान में बड़ी संख्या में शहर के शिक्षाविद् व प्रबुद्ध लोगों ने शामिल होकर लोगों को तंबाकू का सेवन न करने का संदेश दिया।

तंबाकू निषेध दिवस पर खासकर युवा वर्ग को जागरूक करने के लिए बस स्टैंड परिसर में हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। युवा वर्ग को धूम्रपान के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए तंबाकू उत्पादों का सेवन नहीं करने के प्रति जागरूक किया। अभियान में शहर के प्रबुद्ध लोग, शिक्षण संस्थानों, सामाजिक संस्थाओं, रोडवेज कर्मचारियों, पुलिसकर्मियों व युवाओं ने सक्रिय भागीदारी निभाई। युवाओं ने कहा कि वे अपने मित्रों, परिजनों और रिश्तेदारों को भी तंबाकू उत्पादों से दूर रहने के लिए प्रेरित करेंगे। विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर 31 मई को अग्रणी समाचार पत्र समूह दैनिक हरिभूमि बस स्टैंड नारनौल पर तम्बाकू निषेध हस्ताक्षर अभियान चलाएगा। वहां आने वाले लोगों को तंबाकू से दूर रहने के लिए प्रेरित कर उनके हस्ताक्षर करवाएं जाएंगे। इस दौरान प्रशासन, सामाजिक, धार्मिक, राजनीति व शिक्षा संगठनों से जुड़े लोग भी पहुंचेंगे। यह अभियान शनिवार सुबह आठ बजे से दोपहर दो बजे तक चलेगा। अभियान में मार्स हॉस्पिटल हार्ट इंस्टिट्यूट, अजय पटोदा निर्देशक सहकारिता बैंक एवं वरिष्ठ भाजपा नेता, एवरेस्ट स्क्वॉयर से अनिल भार्गव, प्रथम स्कूल, बीएमजी ग्रुप, संगम व तिजारा नमकीन, स्वरांजलि ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन व यशवीर प्रधान कांग्रेसी वरिष्ठ नेता ने सहयोग दिया।

हरिभूमि के हस्ताक्षर अभियान के दौरान बस स्टैंड पर लगे होर्डिंग

तंबाकू का सेवन न करने की शपथ लेते युवा

अंतर्राष्ट्रीय तंबाकू निषेध दिवस पर शनिवार को सामान्य बस स्टैंड पर राष्टीय दैनिक समाचार पत्र 'हरिभूमि' की ओर से हस्ताक्षर अभियान चलाया जाएगा।

तंबाकू किसी भी रूप में खतरनाकः डा. अभय

मार्स हॉस्पिटल एंड हार्ट इंस्टिट्यूट के चेयरमेन डा.अभय कुमार ने कहा कि न केवल भारत में बल्कि दुनिया के दूसरे देशों में भी तंबाकू के सेवन से लोग गंभीर बीमारियों के चपेट में आ रहे है। उन्होंने कहा की तंबाकू अपने किसी भी रूप में इस्तेमाल करना खतरनाक है चाहे वो खैनी के रूप में मुंह में चबाया जाए या हुक्का, बीड़ी व सिगरेट के रूप में प्रयोग किया जाए। तंबाकू के सेवन से फेफड़े खराब होना, हृदयाघात व कैंसर जैसे गंभीर बीमारियां हो सकती है।

युवा पीढ़ी को मिलकर बचाना होगा

धूम्रपान एक घातक बीमारी है, जिसको सेवन जानलेवा हो सकता है। आज के दौर में धूम्रपान व तंबाकू युवाओं को अपनी गिरफ्त में लेता जा रहा है। हम सभी को मिलकर जागरूक नागरिक होने के नाते हरिभूमि समाचार पत्र जैसे अभियान चलाकर युवा पीढी को बचाना होगा।
प्रियंका यादव, समाजसेविका।

आज का भविष्य युवाओं के हाथ

आज वक्त आ गया है, जब हमें धूम्रपान जैसी बीमारी के बारे में गंभीरता से सोचना होगा। स्वंय संकल्प लेने के साथ सभी को तंबाकू से दूर रखने के लिए जागरूक करना होगा। आज का भविष्य युवाओं के हाथ में है, सभी को मिलकर जड़े मजबूत करनी होगी। तंबाकू सेवन के भयंकर दुष्परिणाम सामने आ रहे है, इसलिए सभी को सजग रहना होगा।

तंबाकू सेवन से बर्बाद हो रहे परिवार

तंबाकू निषेध दिवस पर हरिभूमि समाचार पत्र की ओर से चलाया गया अभियान एक सराहनीय कदम है। तंबाकू के सेवन से कैंसर जैसी खतरनाक बीमारियां इंसान के जीवन को खत्म कर रही है। इसके सेवन से परिवार भी बर्बाद हो रहे है। इसके लिए जरूरी है कि ऐसे उत्पादों से दूर रहकर एक स्वस्थ्य जिंदगी को जिया जाए। विंशुआनंद द्विवेदी, डायरेक्टर मार्स अस्पताल।

समाजिक संस्थाए करें लोगों को जागरूक

प्रति वर्ष देश में तंबाकू सेवन से लाखों लोग अपनी जिंदगी खत्म कर रहे है। सरकार के साथ समाज को भी जागरूक होकर तंबाकू पर रोक लगानी चाहिए। हरिभूमि समाचार पत्र की मुहिम की तरह सामाजिक संस्थाओं को भी लोगों को जागरूक करना चाहिए। **यशवीर प्रधान।**

हरिभूमि की सराहनीय पहल

विश्व तंबाकू दिवस पर हरिभूमि समाचार पत्र ने हस्ताक्षर अभियान से लोगों को जागरूक करके सराहनीय पहल की है। युवाओं को धूम्रपान से दूर रहना चाहिए, क्योंकि धूम्रपान एक बहुत घातक बीमारी है, जिसे कैंसर जैसी बीमारी मनुष्य का जीवन समाप्त कर देती है, इललिए हमें नशे से दूर रहकर अन्य लोगों को भी जागरूक करना चाहिए।
रमेश सचदेवा, संचालक प्रिंस फूड।

हस्ताक्षर करते हुए महिला यात्री

हस्ताक्षर करने के बाद अपने विचार लिखती प्रियंका यादव

हस्ताक्षर करते हुए यशपाल प्रधान

हस्ताक्षर करते हुए दंपति

हस्ताक्षर करते हुए महिला पुलिसकर्मी

हस्ताक्षर करते हुए विमल राय

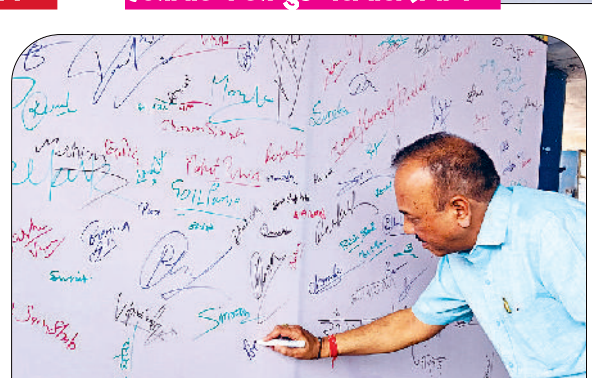
हस्ताक्षर करते हुए अनिल भार्गव

बस स्टैंड पर हस्ताक्षर करते हुए युवक

भाई के इलाज के नाम पर ठगी, दूसरे को लिमिट बढ़ाने के नाम पर ठगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

साइबर ठग लगातार लोगों को ठगी का शिकार बनाने में सफल हो रहे हैं। जागरूकता के तमाम प्रयास साइबर ठगों के सामने फेल साबित हो रहे हैं। साइबर ठगों ने एक व्यक्ति को उसके भाई के इलाज के नाम पर, तो दूसरे को क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने के नाम पर ठगी का शिकार बना दिया। साइबर थाना पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी। बावल में किराए के मकान में रह रहे मूल रूप से यूपी के शीतलपुर अंदावा निवासी जितेंद्र कुमार ने पुलिस शिकायत में बताया कि वह एक कंपनी में काम करता है। उसके पास 22 मई को अनजान नंबर से फोन आया कि उसके भाई का एक्सिडेंट हो गया है। उसे अस्पताल में दाखिल कराने के लिए पैसे भेजो। इसके बाद उसने अपने भाई बीरेंद्र कुमार को फोन लगाया, तो उसका फोन बंद आ रहा था। उसने फोन करने वाले से कहा कि वह उसके भाई का फोटो भेजे। फोन करने वाले ने बताया कि उसका भाई अस्पताल के अंदर है। उसे एडमिट कराने के लिए पैसे की जरूरत है। इसके बाद उसने बताए गए यूपीआई नंबर 80 हजार रुपये भेज दिए। बाद में उसने जब उसी नंबर पर कॉल की तो, तो उसने फोन अटैंड नहीं किया। साइबर ठग ने उसे धोखे से ठगी का शिकार बना दिया।

कार्ड की लिमिट बढ़ाने के नाम पर ठगी

कायस्थवाड़ा निवासी इंद्रजीत ने साइबर थाना पुलिस को दर्ज शिकायत में बताया कि उसके पास 19 मई को अनजान नंबर से फोन आया था। फोन करने वाले ने उसे बजाज क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने के लिए कहा था। फोन करने वाले ने कोड भेजकर पैसे डालने को कहा था। इसके बाद उसके खाते से 6 बार ट्रांजेक्शन से 97949 रुपये कट गए। दूसरे नंबर से आई कॉल के बाद उसकी पत्नी के खाते से भी 28500 रुपये उड़ा दिए गए। साइबर थाना पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद उन खातों का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए, जिनमें ठगी की रकम ट्रांसफर हुई है।

मर्चेंट नेवी में ज्वाइनिंग के नाम पर ठगा

एक अन्य मामले में आशियाकी टप्पा जड़थल निवासी अंकित ने बताया कि वह मर्चेंट नेवी में कार्यरत है। इस समय वह घर आया हुआ है। उसने दूसरी जगह ज्वाइन करने के लिए प्रभात नाम के ब्रोकर से फोन पर संपर्क किया था। उसने ज्वानिंग कराने के लिए 1.15 लाख रुपये की मांग की थी। उसने अपने व अपने भाई के खातों से यह राशि उसके यूपीआई नंबर पर ट्रांसफर कर दी। बाद में पता चला कि प्रभात गुप्ता बताने वाले व्यक्ति ने उसे ठगी का शिकार बनाया है। साइबर थाना पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी।

विद्यार्थियों ने आईजीयू में चलाया पौधरोपण अभियान

रेवाड़ी। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर के प्रबंधन विभाग की ओर से राव तुलाराम ब्लॉक के पास पौधारोपण अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान में एमबीए चौथे सेमेस्टर एवं पांच वर्षीय एमबीए द्वितीय सेमेस्टर के छात्रों ने भाग लिया और अपने अंतिम परीक्षा दिवस पर विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर कॉमर्स एवं प्रबंधन संकाय की डीन प्रो. अदिति शर्मा ने कहा कि ऐसे प्रयास युवाओं में पर्यावरण के प्रति

जागरूकता को बढ़ाते हैं और समाज के लिए एक प्रेरणास्त्रोत बनते हैं। प्रो. तेज सिंह ने कहा कि हमें केवल पौधे लगाकर ही नहीं रुकना चाहिए, बल्कि उनकी देखभाल का भी संकल्प लेना चाहिए। विभागाध्यक्ष डा. समृद्धि ने कहा कि यह अभियान विभाग के छात्रों की जागरूकता और जिम्मेदारी का परिचायक है।अभियान की शुरूआत मैनेजमेंट क्लब के अध्यक्ष मयंक बंसल एवं एमबीए चौथे सेमेस्टर की सी आर पूजा यादव ने की। विभाग से डा. रामजस, डा. ऋतु बजाज, डा. भारती, डा.. जसविंदर, सुशांत यादव, डा. देवेश एवं सुरेंद्र कुमार ने इस पहल की सराहना की और छात्रों को भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

बीस लाख की ठगी मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। मोटा पैसा कमाने के लालच में मैलावास के एक व्यक्ति को 20 लाख रुपये से अधिक की ठगी का शिकार बनाने के मामले में साइबर थाना पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसे कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया। साइबर थान पुलिस को दर्ज शिकायत में वीरपाल ने बताया था कि उसके पास गत 14 अप्रैल को टेलीग्राम पर लिंक आया था। लिंक पर क्लिक करने के बाद वह एक पेज से जुड़ गया। उसे एक अन्य वेबसाइट से जोड़कर पैसे कमाने का लालच दिया गया था। शुरू में उसने सारी जानकारी पेज पर डाल दी। इसके बाद 10 हजार रुपये इन्वेट करने के बदले उसे 16 हजार रुपये दिए गए। झांसे में आकर उसने विभिन्न ट्रांजेक्शन के जरिए 2020968 रुपये ट्रांसफर कर दिए। पैसा वापस नहीं मिलने पर उसे ठगी का अहसास हुआ। साइबर थाना पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू की थी। इस मामले में पुलिस ने एक आरोपी गुजरात के पुराना नावड़ा गांव राहुल विहपरा को गिरफ्तार किया है। वह इस समय सूरत के कातरग्राम में रह रहा है। आरोपी के बैंक खाते में ठगी की रकम का एक हिस्सा ट्रांसफर हुआ था।

मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों ने बुलाई सीन ऑफ क्राइम टीम

संगवाड़ी में व्यक्ति को मौत के घाट उतारा, शव नहर में फेंका

हरिभूमि न्यूज. रेवाड़ी

शुक्रवार की रात संगवाड़ी के एक व्यक्ति की सिर पर वार करके हत्या कर दी गई। बाद में हत्यारों ने शव को नहर में डाल दिया। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने शव को नहर से बाहर निकलवाकर उसकी शिनाख्त कराई। सीन ऑफ क्राइम टीम को मौके पर बुलाया गया। एसपी ने सीआईए की टीम गठित करते हुए हत्यारों का जल्द पता लगाने के आदेश दिए हैं। शनिवार सुबह कालाका के पास नहर में एक शव पड़ा हुआ था। गांव के सरपंच ने शव की सूचना पुलिस को दी। संगवाड़ी के ग्रामीण भी सुबह की सैर करते हुए नहर के पास पहुंच गए। पुलिस

मृतक लालसिंह
रेवाड़ी। लालसिंह के मर्डर के बाद नागरिक अस्पताल में मौजूद परिजन।

ने मौके पर जाकर शव को नहर से बाहर निकलवाया। एफएसएल की टीम को भी साक्ष्य जुटाने के लिए मौके पर बुलाया गया। थाना कसोला और मॉडल टाउन एसएचओ मौके पर पहुंच गए। मृतक की शिनाख्त संगवाड़ी निवासी 45 वर्षीय लालसिंह के रूप में हुई। हत्या की सूचना के बाद एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने सीआईए की टीम गठित करते हुए जांच के आदेश दे दिए। मृतक के दोनों हाथ बिजली की तार से बंधे हुए थे। उसके सिर पर चोट के निशान पाए गए हैं। पैरों पर सड़क से घिसने के निशान मिले हैं, जिससे अनुमान लगाया जा रहा है कि शव को लाते समय पैर सड़क पर घिसटते रहे होंगे। पुलिस ने हत्या का

मिले खून के निशान

नहर के पास खून के निशान मिलने के बाद पुलिस ने निशानों की जांच करना शुरू किया। खून के निशान लालसिंह के घर तक गिरते हुए पाए गए। इससे पुलिस अंदाजा लगा रही है कि उसकी हत्या को घर पर ही अंजाम दिया गया है। इसके बाद शव को नहर में डाला गया था। व्हीकल पर शव लाते हुए पैर भी सड़क पर घिसटते रहे, जिसके निशान मृतक के पैरों पर मिले हैं। पुलिस हर एंगल से हत्याकांड की जांच में जुटी हुई है।

अपने घर अकेला था लालसिंह

परिजनों के अनुसार लालसिंह की पत्नी करीब तीन माह पहले अपने मायके गई थी। उसके दो लड़के हैं, परंतु घटना की रात दोनों घर पर नहीं थे। लालसिंह घर पर अकेला था। ऐसा माना जा रहा है कि पहले उसके सिर पर वार करते हुए चोटें मारी गरइं। बाद में हाथ बांधकर नहर में डाल दिया गया। एसएचओ शिव दर्शन ने बताया कि हत्या का केस दर्ज कर लिया गया है। पुलिस जल्द हत्यारों का पता लगाने के प्रयास कर रही है।

दो दिन में हत्या के दो मामले दर्ज

बीते शुक्रवार को ही मारपीट में घायल युवक कुतुबपुर निवासी नमन की मौत के बाद पुलिस ने हत्या का केस दर्ज किया था। आरोपी नामजद होने के बावजूद पुलिस गिरफ्त से बाहर हैं। दूसरे दिन संगवाड़ी निवासी लालसिंह की हत्या ब्लाइंड मर्डर के रूप में सामने आई है। हत्या की गुत्थी सुलझाना पुलिस के लिए चुनौती बन गया है। दो दिन में हत्या के दो मामले दर्ज होने से अपराधों का ग्राफ बढ़ गया है।

प्रदूषण की भयावह होती वैश्विक समस्या और बढ़ते तापमान से मुक्ति पाने का सबसे कारगर उपाय है कि हम ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर को अपनाने की दिशा में कारगर कदम बढ़ाएं। हालांकि इस दिशा में भी कई चुनौतियां हैं, लेकिन सरकारी स्तर पर ठोस पहल और जन सामान्य की भागीदारी से देश-दुनिया को हरा-भरा बना सकते हैं, भविष्य को सुरक्षित बना सकते हैं।

विशेष: विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून

तपते शहरों में ऐसे बढ़ेगा ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर

कवर स्टोरी / अपराजिता

आगामी 5 जून 2025 को जब हम विश्व पर्यावरण दिवस मनाएंगे, तो हमारे देश के कई बड़े शहर तप रहे होंगे। दिल्ली हो या जयपुर, नागपुर हो या हैदराबाद। देश के कई शहर गर्मियों में तपते द्वीपों में बदल चुके हैं। सिर्फ हम अपने देश के शहरों की ही बात क्यों करें? लाहौर, बीजिंग, न्यूयॉर्क, टोक्यो और दुबई की भी आज की तारीख में यही स्थिति है। सवाल है, इन शहरों में फिर से जीवन को चैन और आराम देने वाली ठंडक कैसे मिले? कंक्रीट के हमारे जंगल, ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर में कैसे बदलें?

क्या है ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर: ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर का मतलब है, ऐसे डिजाइन और ऐसी व्यवस्थाएं, जो प्राकृतिक समाधान प्रस्तुत करें। ये पार्क, छतों पर बागवानी, हरित दीवारें, वर्षा जल संरक्षण, शहरी जंगल, जैविक नालियां, ग्रीन कॉरीडोर और स्वच्छ ऊर्जा से जुड़ी सम्मिलित संरचनाओं का नाम है। यह ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर न केवल हमारे पर्यावरण की रक्षा करता है बल्कि लोगों को रोजगार, बेहतर स्वास्थ्य और शहरों को अधिक टिकाऊ बनाता है।

बिगड़ते पर्यावरण की वजहें: आजकल जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वॉर्मिंग के कारण भारत ही नहीं दुनिया भर के ज्यादातर शहर, गर्मी से जल रहे हैं। शहरों में अर्बन हीट, आइलैंड इफेक्ट जोर-शोर से देखा जा रहा है। शहरों में कंक्रीट, डामर और प्लास्टिक की अधिकता, जमीन की नमी सोख रही है, जिससे तापमान बढ़ रहा है। यही नहीं जो शहर पहले छायादार पेड़ों की कतारों के हिस्से हुआ करते थे, अब उन शहरों में बड़े-बड़े पेड़ों को काट कर सड़कों का विस्तार और नए-नए मॉल्स बनाए जा रहे हैं, जिससे हमारे पारंपरिक शहरों का ग्रीन आवरण लगातार घट रहा है। कार्बन उत्सर्जन बढ़ रहा है और जल प्रबंधन की विफलता भी हमारे सामने है। शहरों में अंधाधुंध ढंग से बढ़ रहे वाहन, फैक्ट्रियां और कूलिंग सिस्टम से निकलने वाली गैसें, लगातार हमारे शहरों के तापमान बढ़ा रही हैं। दूसरी तरफ अंधाधुंध रिहाईशी ढांचे खड़े कर देने के कारण बारिश का जल बह कर निकल जाता है। धरती में वापस नहीं जा पाता, जिससे न सिर्फ सूखे बल्कि बाढ़ की समस्या भी इससे बढ़ रही है।

बढ़ रही है ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर की जरूरत: बिगड़ते पर्यावरण की वजह से ही विश्व स्तर पर ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर की खासी जरूरत बढ़ी है। आज ज्यादातर नगर योजनाकार बार-बार ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर की जरूरत पर बल देते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन का मानना है कि 2050 तक दुनिया की करीब 70 फीसदी आबादी शहरों में रह रही होगी और तब आज से कहीं ज्यादा पर्यावरणीय दबाव होगा। साल 2023 की आईपीसीसी रिपोर्ट कहती है, यदि शहरों में हरित क्षेत्र 30 प्रतिशत बढ़ा दिया जाए तो दुनिया के औसतन तापमान में 2 डिग्री सेंटीग्रेड की कमी आ जाएगी। पेरिस, सियोल, मेलबर्न और कोपनहेगन जैसे शहर अब हर नई परियोजना को ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर में तब्दील कर रहे हैं।

इस दिशा की चुनौतियां: भारत में ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर बनाना बड़ी चुनौती है, क्योंकि हमारी स्थानीय शहरी निकायों के पास इस पर स्पष्ट दिशा-निर्देश नहीं हैं। साथ ही हमारे नगर निकायों के पास पर्याप्त वित्तीय संसाधनों की भी कमी है। इसलिए हमारे शहर चाहकर भी ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर को फिलहाल नहीं बढ़ा पा रहे हैं, क्योंकि आम लोग इसे अतिरिक्त खर्च वाला समझते हैं। यही कारण है कि अब बड़े पैमाने पर ऐसी योजनाओं और स्मार्ट सिटी

मिशन उभर कर सामने आ रहे हैं, जिनमें ग्रीन कॉरिडोर, अर्बन फॉरेस्ट, रेन वॉटर हार्वेस्टिंग पर जोर दिया जा रहा है। शहरों में कृषि और टेरेस गार्डेनिंग का बढ़ावा भी इसी के चलते हो रहा है। तमाम नए स्टार्टअप यह कर रहे हैं। सीएसआर और ईएसजी की फंडिंग से निजी कंपनियां आजकल हरित परियोजनाओं में निवेश कर रही हैं।

ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ाने के तरीके: ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ाने के लिए जरूरी है कि सभी शहरी विकास योजनाओं में ग्रीन बजट को अनिवार्य किया जाए। साथ ही बिल्डिंग बाई लॉज में छत पर गार्डेनिंग, वर्षा जल संग्रहण जैसी अनिवार्य योजनाओं को लागू किया जाए। अब जरूरी हो गया है कि शहरी खेती और कम्युनिटी गार्डेनिंग को अनिवार्य किया जाए। हर मुहल्ले में सामूहिक बागवानी प्रोजेक्ट शुरू किए जाएं, नगर निगम स्थानीय सब्जी उत्पादन को बढ़ावा दें, इसके लिए सब्सिडी और बेहतर ट्रेनिंग का सहारा लिया जाए। शहरी घरों की छतों और दीवारों को ज्यादा से ज्यादा हरा किया जाए। इसकी सबसे पहली शुरुआत सरकारी भवनों, विभिन्न सरकारी इमारतों और शहरी विभागों से किया जाए। निजी फ्लैट और कॉम्प्लेक्स में भी ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देने के लिए कई तरह के टैक्स में छूट दी जाए ताकि लोग ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर की तरफ आकर्षित हों। शहर की हर इमारत में ग्रीन वाटर ट्रीटमेंट प्लांट लगाना अनिवार्य किया जाए, साथ ही बरसाती नालियों को पुनः डिजाइन करके उन्हें जैविक जल निकासी प्रणाली में बदला जाए।

ये उपाय भी होंगे कारगर: बड़े पैमाने पर शहरों का ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर तभी विकसित हो सकता है, जब ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी इसकी ट्रेनिंग, जैसे लैंडस्केपिंग, वर्टिकल गार्डेनिंग जैसी तकनीकों में युवाओं की ज्यादा से ज्यादा भागीदारी हो। युवाओं को ग्रीन अंबेस्डर बनाकर स्कूल, कॉलेज से ही इस दिशा में उन्हें पर्यावरण हितैषी के रूप में बड़ा किया जाए। शहरों में यदि ग्रीन कैप बढ़ेगा, तो लोग उनके फायदों से भी वाकिफ होंगे और ज्यादा से ज्यादा इसका फायदा उठाना चाहेंगे। इसके लिए जरूरी है कि ग्रीन मैप एप्स के कल्चर को बढ़ावा दिया जाए। ग्रीन कवर एरिया को स्टेटस सिंबल बनाया जाए। इसके लिए एआई और सैटेलाइट तकनीक से इनकी रक्षा और निगरानी भी किया जाना जरूरी है।

ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर को अपनाने से न केवल हमारी धरती को फिर से हरी-भरी बनाने में मदद मिलेगी बल्कि नई पीढ़ी को उस दहकती हुई गर्मी से छुटकारा मिलेगा, जो आज शहरी जीवन का बड़ा अभिशाप बन चुका है। इसलिए विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर इस पर गंभीरता से सिर्फ सोचा ही न जाए, सिर्फ बहस ही न हो बल्कि इसमें अमल किए जाने की प्रक्रिया तेजी से बढ़े। *

जो मानसून हर वर्ष जून के पहले सप्ताह में भारत में प्रवेश करता था, इस बार मई के अंतिम सप्ताह से पहले ही आ गया। ऐसा होने के पीछे किस तरह के कारण जिम्मेदार हैं और इसके क्या प्रभाव हो सकते हैं, आप जरूर जानना चाहेंगे।

समय से पहले आया मानसून !

बदलाव / रजनी अरोड़ा

मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक इस साल मानसून की रफ्तार इतनी तेज है कि करीब 2 सप्ताह पहले ही देश में एंट्री हो गई है। समय से पहले आए मानसून से हालांकि जन-मानस को गर्मी की तपिश से राहत पहुंची है, लेकिन पर्याप्त तैयारी के अभाव में कई शहर जल भराव की स्थिति का सामना कर रहे हैं।

परेशानी या वरदान: मानसून का जल्दी आना, सिर्फ मौसम का बदलाव नहीं बल्कि हमारे पर्यावरण और जलवायु में हो रहे बड़े बदलावों का भी संकेत है। विशेषज्ञों के अनुसार यह जलवायु परिवर्तन वैश्विक तापमान और समुद्री परिस्थितियों के मिले-जुले प्रभाव का नतीजा है। समुद्री सतह के तापमान के अनुकूल बदलाव पड़ा है। समुद्र का टेंपरेचर सामान्य से ज्यादा रहा, जिसके कारण मानसूनी पश्चिमी हवाएं तेजी से सक्रिय हो गईं।

चिंता का कारण: मानसून का जल्दी आना हालांकि कृषि, वाणिज्य जैसे क्षेत्रों के लिए अच्छा हो सकता है। लेकिन इसके अनियमित-बिगड़ते पैटर्न से बाढ़,

लैंडस्लाइड, जलजनित बीमारियां, महामारी जैसी समस्याएं उत्पन्न होने का खतरा भी हो सकता है।

जल्दी आने के कारण: देश में मानसून के जल्दी आने को मौसम-वैज्ञानिक ग्लोबल वार्मिंग का असर मान रहे हैं। जिसके प्रति हमें सजग होना और समुचित कदम उठाने जरूरी हैं।

लानीना और अलनीनो का प्रभाव: यह प्रशांत महासागर के तापमान से जुड़ा सिस्टम है। जब प्रशांत महासागर का तापमान ज्यादा गर्म हो जाता है तो उसे अलनीनो कहते हैं, जो भारत के मानसून को कमजोर कर देता है। जब महासागर ठंडा होता है तो वह लानीना कहलाता है, जो मानसून को मजबूत करता है। चूंकि इस साल न ज्यादा गर्मी है और न ज्यादा ठंडक है। यानी ईएनएसओ न्यूट्रल है और यही हालात भारत के मानसून के लिए फायदेमंद है।

इंडियन ओशन डायपोल का पॉजिटिव होना: कुछ वैज्ञानिक मानते हैं कि आईओडी अरब सागर में नमी के जमाव को बढ़ाता है, जिससे मानसून की हवाएं तेज होती हैं और यह मानसून के जल्दी आने का कारण भी बनता है। तो कुछ वैज्ञानिक इसे भारतीय महासागर के पश्चिमी हिस्से यानी अफ्रीका की तरफ और पूर्वी हिस्से यानी इंडोनेशिया की तरफ पानी का तापमान से जोड़ते हैं। वस्तुतः इनके तापमान में फर्क मिलता है। अगर पश्चिमी हिस्सा गर्म होता है और पूर्वी हिस्सा ठंडा तो यह पॉजिटिव आईओडी कहलाता है। यह मानसून के लिए अच्छा होता है यानी बादल बनने, बारिश बढ़ाने में मदद करता है। जबकि इसके विपरीत यानी पश्चिम हिस्सा ठंडा और पूर्वी हिस्सा गर्म हो तो यह नेगेटिव आईओडी कहलाता है और यह मानसून को रोकता है। 2025 में अभी आईओडी भी न्यूट्रल है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि अगस्त-सितंबर तक यह हल्का पॉजिटिव हो सकता है, जो मानसून को और बढ़ा सकता है।

जेट स्ट्रीम में बदलाव: मानसून की हवाएं यानी ऊपरी स्तर की हवाओं में बदलाव से भूमध्य रेखा के ऊपर से हवाएं तेजी से भारत की ओर चलती हैं, जिससे नमी से भरी हवाएं पहले पहुंचकर मानसून जल्दी ले आती हैं। एक्सपर्ट्स का मानना है कि सोमाली जेट हवाएं मॉरीशिस और मेडागास्कर से उठती हैं। जो सीधे अरब सागर से होते हुए भारत के पश्चिमी तट यानी केरल, कर्नाटक, गोवा और महाराष्ट्र तक आती हैं। 2025 में ये हवाएं असामान्य रूप से तेज हैं।

ग्लोबल वार्मिंग से बदला मानसून पैटर्न: ग्लोबल वार्मिंग की वजह से वातावरण और महासागरों का तापमान लगातार बदल रहा है। यह बदलाव मानसून के समय और तीव्रता को सीधे प्रभावित करता है। इससे उसका चक्र बदल जाता है। इसके अलावा बीते मई महीने में अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में भारी नमी देखी गई, जिससे बादलों को बनने में ज्यादा देर नहीं लगी। इसके साथ कर्नाटक-गोवा तट के पास बने साइक्लोनिक सिस्टम की वजह से मानसून जल्दी आ गया। *

मानसून के प्रकार: भारतीय मानसून उन हवाओं को कहते हैं, जो ग्रीष्म ऋतु में तापमान ज्यादा होने के कारण बंगाल की खाड़ी, हिंद महासागर और अरब सागर में नमी के बढ़ने से सक्रिय हो जाती हैं। ये हवाएं दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-पूर्व से उत्तर-पूर्व की ओर चलती हैं और ठंड के दिनों में विपरीत दिशा की ओर यानी समुद्र की ओर बहती हैं। इसके आधार पर भारत में मानसून मूलतया दो तरह के होते हैं। दक्षिण-पश्चिमी मानसून (जून से सितंबर तक) ये मानसूनी हवाएं भारत में सामान्यतया एक जून को सबसे पहले केरल में प्रवेश करती हैं और वहां बारिश करती हैं। इसके बाद यह धीरे-धीरे उत्तर दिशा में बढ़ता है। फिर जून का अंत तक आते-आते यह देश के ज्यादातर हिस्सों पर छा जाती हैं। उत्तर-पूर्वी मानसून, ऋतु-परिवर्तन होने पर ये हवाएं विपरीत दिशा की ओर यानी समुद्र की ओर बहती हैं। ये हवाएं आमतौर पर सितंबर-अक्टूबर माह तक वापस चली जाती हैं।

चिंतन / यशवंत कोठारी

भारतीयता के मूल में निहित पर्यावरण संरक्षण

भारतीय संस्कृति या कहें भारतीयता में प्रारंभ से ही पर्यावरण को अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। हमारी संस्कृति में वृक्ष, पेड़-पौधों, जड़ी-बूटियों को देवता माना गया है। पवित्र और देवतुल्य वृक्षों की प्राचीन परंपरा भारतीयता के साथ गुंथी हुई है। वास्तव में भारतीयता किसी व्यक्ति विशेष से नहीं प्रकृति, पर्यावरण, सांस्कृतिक चेतना और विरासत से जुड़ी हुई है। तमाम विविधताओं के बावजूद भारतीयता के रक्षकों, पोषकों ने वृक्षों को पूजने की, उन्हें आदर देने की एक ऐसी परंपरा आरंभ की, जो भारतीयता में रच-बस गई है। वृक्षों के महत्व को प्रतिपादित करते हुए हमारी संस्कृति में अनेक परंपराएं और प्रथाएं विकसित की गईं जो वृक्षों, पर्यावरण, संस्कृति, सुहाग, पूजा-पाठ, धार्मिक अनुष्ठान आदि से जोड़ दी गईं। ये सभी चीजें कालांतर में भारतीयता का पोषण करने वाली सिद्ध हुईं।

पेड़-पौधों की करते हैं पूजा: देश के कुछ आदिवासी क्षेत्रों में विवाह के समय वर-वधु एक पौधा लगाते हैं। माना जाता है कि जैसे-जैसे वृक्ष हरा-भरा होकर विकसित होता है, दांपत्य जीवन में भी सुख और संपन्नता बढ़ती जाती है। बड़ के पेड़ को सुहाग प्रदान करने वाला माना गया है। उत्तर भारत में वट वृक्ष की पूजा का त्योहार मनाया जाता हे। पीपल के वृक्ष पर भगवान विष्णु का वास माना जाता है। पलाश के वृक्ष के नीचे शीतला माता का वास माना गया है। इसी प्रकार आंवला, तुलसी, केला आदि कई पौधों की पूजा-अर्चना का विधान भारतीय संस्कृति में मौजूद है। यह भारतीयता का एक मोहक रूप है। पीपल के वृक्ष को रामायण में भी मान्यता दी गई है। तुलसी की पवित्रता, औषधीय उपयोगों और महत्व के बारे में कई प्राचीन पुस्तकों में वर्णन मिलता है।

इससे सिद्ध होता है कि भारतीय संस्कृति में तुलसी के पौधे को कितना महत्वपूर्ण पौधा माना जाता रहा है। भारतीयता की अनेक विविधताओं के बावजूद वृक्षों का संरक्षण, उनकी पूजा-अर्चना का विधान है।

भारतीयता का अरण्य उत्सव: वृक्षों के प्रति हमारी यह श्रद्धा अनादिकाल से चली आ रही है। अरण्ये ते पृथिवि स्येनमस्तु। अर्थात हे पृथ्वीमाता, तुम्हारे जंगल, हमें आनंद, उत्साह से भर दें। यही श्रद्धा और आदर का भाव बार-बार हमें भारतीयता की मूल भावना से भी जोड़ता है। भारतीयता, जो हम सभी के जीवन से जुड़ी हुई है। भारतीयता यानी हरी-भरी वसुंधरा, हरियाली से सजे वनप्रदेश, कामदेव का वसंत, चटकते फूल, श्रंगार से ओत-प्रोत वन, मादक गंधयुक्त समीर, आजादी से उड़ते पक्षी, कोयल की मीठी वाणी, कुंलाचें भरते हिरण, नाचते मोर, झरने, झीलें, कलकल करती नदियां, ये सभी सुंदर पर्यावरण बनाते हैं और बनाते है भारतीयता का एक संपूर्ण फलक। फलक में उपस्थित होते हैं अनेक प्रकार के रंग। प्रकृति का यह उत्सव भारतीयता का मौलिक स्वरूप है। शायद ही विश्व के अन्य किसी भाग या देश की संस्कृति में पर्यावरण को इतना महत्वपूर्ण माना गया है।

हम समझें अपने दायित्व: प्राचीन काल में हुए हमारे ऋषि-मुनियों ने भारतीयता की महक से परिपूर्ण पर्यावरण की कल्पना की थी। यदि किसी वृक्ष को काटना बहुत ही जरूरी हो जाता तो वृक्ष पर रहने वाले पशु-पक्षियों से क्षमा याचना कर मंत्र पढ़ कर सर्वजनहिताय वृक्ष को काटा जाता था। पर्यावरण के संतुलन को बनाए रखने, उसे पूर्ण रूप से प्रकृति के अनुकूल रखने तथा विकास के साथ एक तादात्म्य और सामंजस्य रखने की प्रेरणा भारतीयता देती है। प्राचीन शास्त्र, साहित्य, संस्कृति, कला जो कुछ भी इस भारत भूमि पर विद्यमान रहा वह सब भारतीयता से परिपूर्ण है और यही बात प्रकृति, पर्यावरण तथा वातावरण पर भी लागू होती है। यह बेहद खेद का विषय है कि भौतिकवादी उपभोक्ता संस्कृति ने सभी प्राचीन भारतीय मूल्यों को नष्ट कर दिया है। प्रकृति के संरक्षण की बात कोई नहीं करना चाहता है। लेकिन हम सब कभी न भूलें कि अपने अस्तित्व को बचाए रखने के लिए भी पेड़-पौधों को लगाना, उनका संरक्षण करना, जीव-जंतुओं, पेड़-पौधों की रक्षा सब कुछ हमारा नैतिक दायित्व है, भारतीयता का कर्तव्य है। अगर हम इस कर्तव्य को पूरा कर सकें तो एक शस्य श्यामला हरित भूमि हमारे चारों ओर मुस्कुराएगी। *

कविता / अलका सोनी

नदी सबको देती है

नदी सबको देती है
बहुत कुछ...
जल, जंगल, जमीन
मछलियां, सूर्य को
अर्घ्य देने की जगह।
उसी तरह उसने
मुझे भी बहुत कुछ दिया
लेकिन मैंने देर से
देखा और समझा यह सब।
तब आश्चर्य हुआ कि
वो तब भी देती रहती है
जब हम नहीं जानते
उसका देते जाना।
यह सब देख
मन में आने लगती है
बस एक ही बात कि
नदी जो सबको देती है
कुछ न कुछ
बदले में पाती है
उसे नहीं समझे
जाने की
कई वजहें।

लघुकथाएं

मेरे नाम का पेड़

उसने मेरी बात काटते हुए अचानक पूछा, 'यह बताइए, क्या आपने अपने जीवन में कोई पेड़ लगाया है?'

मैंने सिर पर हाथ फेरा, बगलें झांकीं, तभी सन्नाटे को चीरती उसकी आवाज आई, 'आठ मन लकड़ी का बोझ सिर पर उधार लेकर जाओगे ऊपर?'

'तुमने जो इतने सारे पेड़ लगा रखे हैं। एक हमारे नाम का भी लगा दो।' मैंने बचना चाहा। वह मुझे और जलील न करे इसलिए मैंने बात घुमाई, 'अरे याद आया। एक बरगद के पेड़ की पौध तुमने मेरे नाम से खरीदी थी, उसका क्या हुआ?'

वह कुछ आश्चर्य से बोली, 'अब पंद्रह साल बाद तुम्हें उसकी याद आ रही है?'

'आखिर बताओ तो हुआ क्या था?' मैंने जोर देकर पूछा। 'उसकी तो कहानी हो गई थी।' वह बोली।

'हुआ क्या था?' मुझे उत्सुकता हुई।

'वो पापा की नजर उस पौधे पर पड़ी तो पूछ बैठे कि तो तुम ले ही आईं बरगद। चलो, मैं इसे अभी गांव के बाहर मेन रोड पर रोप देता हूं।' उसने कहानी बताई।

'तुमने कहा नहीं कि यह मेरे नाम का पेड़ है, किसी की अमानत है।' मैंने कहा।

'मुगले आजम के सामने मुंह खोलना इतना आसान था क्या? वो तो सीधे चिनवा देते।' वह कंधे उचका कर बोली। थोड़ी देर खामोशी रही फिर उसने धीरे से कहा, 'सच बताऊं, जब भी मैं गांव जाती हूं और इंट्री पर वह बरगद का पेड़ थके-हारे लोगों को अपने साए की आगोश में समेटे दिखता है तो मैं कार रुकवा कर पेड़ देर तक निहारती हूं। किसी ने यात्रियों की सेवा के लिए एक चाय-पान की गुमटी भी डाल ली है। प्रधान जी ने गर्मी में प्यासों के वास्ते एक हैंडपंप भी लगवा दिया है। किसी दिन आप भी मेरे साथ चलिए, आपको पेड़ देखकर बहुत खुशी होगी।'

मैं सोचने लगा कि मरने के बाद बरगद की लकड़ी से जलाया जाता है कि नहीं? *

-प्रेमेंद्र श्रीवास्तव

विज्ञापन

एक व्यक्ति ने अखबार में विज्ञापन छपवाया, 'पांच साल का यह लड़का, जिसकी फोटो दी जा रही है, कल शाम से घर से लापता है। किसी को यह बच्चा दिखाई दे या मिले तो दिए गए फोन नंबर पर सूचित करें। सूचना देने वाले को उचित इनाम दिया जाएगा।'

दूसरे दिन ही उस व्यक्ति के फोन की घंटी बजी। आवाज आई, 'आपने अखबार में बच्चे की गुमशुदगी का विज्ञापन दिया है। उसी के संबंध में बताना चाहता हूं कि आपका बच्चा कल से मेरे पास है, आप तुरंत आकर ले जाएं।' 'आप कौन बोल रहे हैं और कहां से बोल रहे हैं?' व्यक्ति ने जल्दी से पूछा।

'मैं सुखद वृद्धाश्रम से रघुबीर बोल रहा हूं...।' जवाब मिला।

यह सुनकर व्यक्ति की आंखें नम हो गईं। उसने तुरंत अपनी पत्नी से कहा, 'गुड्डू मिल गया है, वह वृद्धाश्रम में अपने दादा जी के पास है।' *

-गोविंद भारद्वाज

पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण

प्रेम का साहित्यिक प्रवाह

नवोदित प्रवाह पत्रिका का वार्षिकांक प्रेम विशेषांक के रूप में प्रकाशित होकर आया है। यह अंक नामचीन और नवोदित लेखकों की रचनाशीलता से भरा-पूरा है। यहां संकलित रचनाओं के द्वारा प्रेम के मनोवैज्ञानिक विवेचन, उसके दार्शनिक पहलू, उसकी ऐंद्रिक व्याख्या और उसकी आत्मानुभूति के अलग-अलग आयामों से रूबरू हुआ जा सकता है। वैसे तो इस अंक में प्रेम पर अच्छी कहानियां, लघुकथाएं, समीक्षाएं और लेख पठनीय हैं ही, लेकिन खासतौर पर काव्य खंड बहुत ही समृद्ध है। इसमें प्रेमाधारित कई बेहतरीन कविताएं, गजलें, दोहे और गीत पाठक को प्रेमरस से सराबोर कर देते हैं। लाजवाब गीत और गजल खंड के अलावा कविता खंड में आलोक धन्वा, अच्युतानंद मिश्रा, अल्पना सिंह और आरती आस्था की कविताएं मन में ठहर जाती हैं।

विभिन्न भारतीय भाषाओं में लिखी गई प्रेम कविताओं के अनुवाद ने इस अंक को संग्रहणीय बना दिया है। कृष्ण बिहारी, जितेन ठाकुर और रेणु हुसैन की कहानियां विशेष रूप से पठनीय हैं तो प्रेम पर अलग-अलग कोणों से लिखे गए लेखों में प्रेम की शाश्वतता को सलीके से व्यक्त किया गया है। *

पत्रिका: नवोदित प्रवाह (वार्षिक पहल 2025-प्रेम विशेष), **प्रधान संपादक:** रजनीश त्रिवेदी 'आलोक', **मूल्य:** 100 रुपए, **संपादकीय कार्यालय:** देहरादून, उत्तराखंड

इन गर्मी की छुट्टियों को बिताने के लिए अगर आप किसी प्राकृतिक, शांत, सुरम्य स्थान पर जाना चाहते हैं, तो माउंट आबू आपके लिए परफेक्ट डेस्टिनेशन हो सकता है। यहां आपको ऐतिहासिक मंदिर, प्राकृतिक झीलों के साथ-साथ कई मनोरम नजारे देखने को मिलेंगे।

प्राकृतिक सौंदर्य-आध्यात्मिक सुकून का संगम माउंट आबू

सैर-सपाटा
अंशु सिंह

प्राकृतिक सुंदरता और अध्यात्म का अनुपम संगम स्थल है राजस्थान का हिल स्टेशन माउंट आबू। मरुस्थल की वीरानियत में एक शीतल तपोभूमि, जहां बिखरी है अरावली की हरियाली। फैला है, नक्की झील का अप्रतिम सौंदर्य। प्रदेश का एकमात्र हिल स्टेशन, जिसका कण-कण कर लेता है सम्मोहित। गर्मी हो, सर्दी या हो बरसात, माउंट आबू में हर मौसम का है अपना अलग आनंद...।

अरावली के मध्य बसा: अरावली पर्वत श्रंखला के मध्य में बसे माउंट आबू में प्रकृति का जनमानस के साथ कुछ ऐसा सामंजस्य स्थापित है कि 'अद्भुत' के अतिरिक्त अन्य शब्द नहीं सूझता। यहां के वायुमंडल में ही पसरी है सुकून और शांति। मौसम का ताप भी मनोनुकूल नर्म है। रेगिस्तानी राज्य के अन्य हिस्सों की तरह गर्म नहीं है यह स्थान। आखिरकार, प्रदेश का यह एकमात्र हिल स्टेशन जो है। सिरोही जिले में स्थित इस पठारी क्षेत्र को कुदरत ने नदी, झील, झरने सभी की सौगात दे रखी है। यह प्रदेश का सिरमौर है, जिसे भारत ही नहीं, संसार की प्राचीनतम पर्वत श्रंखलाओं में से एक अरावली, उत्तर से दक्षिण दो हिस्सों में विभाजित करती है। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय ने पर्यावरणीय दृष्टिकोण से इसे संवेदनशील क्षेत्र भी घोषित कर रखा है।

भारत की आध्यात्मिक भूमि: माउंट आबू ऐतिहासिक काल से ही अलग-अलग धर्मावलंबियों की कर्मभूमि और तपोभूमि रहा है। आज भी यह स्थान हिंदू और जैन धर्मावलंबियों का पवित्र तीर्थस्थल है। कथानुसार, जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर माउंट आबू आए थे, जिसके बाद से यह जैन अनुयायियों का विशेष तीर्थस्थान बन गया है। माउंट आबू का प्राचीन नाम अर्बुदांचल है। पुराणों में इसका उल्लेख अर्बुदा अरण्य (अर्थात अर्बुदा के वन) के नाम से भी मिलता है। बाद में यही 'अर्बुदा', 'आबू' में परिवर्तित हो गया। ऐसी मान्यता है कि ऋषि वशिष्ठ का जब विश्वामित्र से मतभेद हो गया था, तब वे माउंट आबू के दक्षिणी भाग में आकर बस गए थे। उन्होंने पृथ्वी से असुरों के विनाश के लिए यहां यज्ञ का आयोजन भी किया था। इनके अलावा, आध्यात्मिक संस्थान ब्रह्माकुमारीज का अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय भी यहां स्थित है।

मनमोहक नक्की झील: पहाड़ों की छांव और अरावली की हरियाली के मध्य मचलती अति रमणीय नक्की झील को माउंट आबू का दिल कहा जाता है। 11000 मीटर की ऊंचाई पर स्थित ढाई किलोमीटर लंबी यह झील कौतुहल पैदा करती है। एक किंवदंती के अनुसार, रसिया बालम नामक शिल्पकार और तत्कालीन राजा की बेटी एक-दूजे से प्रेम करते थे। लेकिन राजा की शर्त थी कि अगर शिल्पकार एक रात में झील की खुदाई कर देता है, तो वह अपनी पुत्री उससे ब्याह देंगे। रसिया ने यह चमत्कार कर दिखाया। हालांकि बाद में राजा ने अपनी बेटी उसे देने से इंकार कर दिया। दूसरी कथा के अनुसार, देवताओं ने बाली राक्षस से रक्षा के लिए अपने नाखूनों से इस झील का निर्माण किया था। इसलिए इसका नाम नक्की झील पड़ा। गरासिया जनजाति के लिए यह पवित्र झील आस्था की प्रतीक है।

बहुत प्रसिद्ध है सनसेट प्वॉइंट: फिल्म 'कयामत से कयामत तक' का एक खूबसूरत संवाद है, 'इस डूबते हुए सूरज ने हमें पहली बार मिलाया था। यही हमें एक दिन हमेशा के लिए मिला देगा।' अभिनेता आमिर खान और जूही चावला के इस संवाद में जिस 'डूबते हुए सूरज' का जिक्र हो रहा, वह यहीं माउंट आबू के सनसेट प्वाइंट पर शूट की गई थी। यहां पास ही में स्थित हनीमून प्वॉइंट नव विवाहितों का पसंदीदा स्थान है। माउंट आबू आने वाले पर्यटकों के लिए सनसेट प्वॉइंट रोमांच से भरपूर एक ऐसा मनोरम स्थल है, जहां से पल-पल रंग बदलते आकाश एवं बादलों की ओट में छिपते-ढलते सूर्य के विस्मयकारी दृश्य को देखा जा सकता है। यहां आने वाले पर्यटक इन नजारों को अपनी यादों के साथ-साथ अपने कैमरे में भी जरूर कैद करते हैं।

विश्व प्रसिद्ध दिलवाड़ा जैन मंदिर: अपनी माउंट आबू यात्रा के दौरान आप दिलवाड़ा जैन मंदिर अवश्य जाएं। 11वीं से 13वीं शताब्दी के दौरान निर्मित दिलवाड़ा जैन मंदिर, जैन वास्तुकला का उत्कृष्ट उदाहरण है। मंदिर का प्रवेशद्वार गुंबद वाले मंडप से होकर गुजरता है। सामने एक वर्गाकार भवन है, जिसमें छह स्तंभ और दस हाथियों की प्रतिमाएं हैं। पांच मंदिरों के इस समूह में विमल शाह द्वारा निर्माण कराया गया मंदिर, सबसे पुराना है, जो जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर को समर्पित है। इसके अलावा, 22वें तीर्थंकर नेमिनाथ को समर्पित लून वासाही मंदिर भी दर्शनीय है। यहां एक अद्भुत देवरानी-जेठानी मंदिर भी है, जिसमें भगवान आदिनाथ एवं शांतिनाथ जी की मूर्तियां स्थापित हैं। संपूर्ण मंदिर एक प्रांगण के अंदर घिरा हुआ है, जिसमें छोटे स्तंभों की दोहरी पंक्तियां हैं। यहां फूल-पत्तियों और अन्य मोहक डिजाइनों से अलंकृत, नक्काशीदार छतें, पशु-पक्षियों की शानदार आकृतियां, सफेद स्तंभों पर बारीकी से उकेरी गई बेलें, जालीदार नक्काशी से सजे तोरण और जैन तीर्थंकरों की प्रतिमाएं हैं।

पीस पार्क में प्रकृति का आनंद: ब्रह्मा कुमारी का पीस पार्क, विविध प्रजातियों के पेड़-पौधों के बीच आपको एक अलग ही जगत में होने का एहसास कराएगा। यहां फूलों के साथ-साथ फलों के भी उद्यान हैं। यहां गुलाब, नीबू, बांस समेत अनेक वृक्ष देखे जा सकते हैं। खूबसूरत रॉक गार्डन एवं अन्य लैंडस्केपिंग को देखना भी कम दिलचस्प नहीं है। पार्क में ध्यान के लिए विशेष कोना भी है। *

कैसे जाएं: माउंट आबू का सबसे निकटतम हवाई अड्डा उदयपुर 185 किलोमीटर, जबकि अहमदाबाद 235 किलोमीटर दूर है। सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन आबू रोड 28 किलोमीटर की दूरी पर है, जो अहमदाबाद, दिल्ली, जयपुर और जोधपुर से जुड़ा है। यह सड़क मार्ग से देश के सभी प्रमुख शहरों से जुड़ा है। दिल्ली के कश्मीरी गेट बस अड्डे से माउंट आबू के लिए सीधी बस सेवा उपलब्ध है। राजस्थान राज्य सड़क परिवहन निगम की बसें दिल्ली के अलावा अन्य शहरों से माउंट आबू के लिए अपनी सेवाएं मुहैया कराती हैं।

कब जाएं: आप गर्मी या सर्दी कभी भी यहां जा सकते हैं। नवंबर से फरवरी के बीच यहां सर्दी का मौसम होता है। काफी पर्यटक आते हैं। इसके अलावा, अप्रैल से जून के बीच भी यहां घूमने जाया जा सकता है। अगर मानसून का मजा लेना है, तो जुलाई से सितंबर के महीने में यहां की योजना बना सकते हैं।

किसी को उबासी लेते देख आपको भी जम्हाई आने लगती है, है ना! वास्तव में कुछ आदतें, हरकतें या प्रतिक्रियाएं ऐसी होती हैं, जो किसी दूसरे को करते देख, ठीक वैसा ही करने के लिए हमारा भी मन मचल उठता है। ऐसा क्यों होता है, जानिए।

इन एक्टीविटीज को देख मन अपना भी मचलता है!

जीवनशैली
शिखर चंद जैन

कई बार अनजाने में दूसरे की किसी एक्टिविटी को देखकर हम भी वैसा करने लगते हैं या वैसा करना चाहते हैं। व्यवहार विशेषज्ञों, समाजशास्त्रियों और हेल्थ एक्सपर्ट्स ने कुछ ऐसी इश्यूज का पता लगाया है। आप भी इनके बारे में जानिए।

फ्रेंड जैसे सामान: 'जर्नल ऑफ न्यूरोसाइंस' में प्रकाशित एक शोध के मुताबिक लोगों को उस चीज की सबसे ज्यादा चाह होने लगती है, जो उनके किसी प्रियजन या मित्र के पास हो। भले ही आपके पास पहले ही एक से एक टी-शर्ट, सलवार सूट या फुटवेयर हों, लेकिन फ्रेंड के पास कोई नया पेयर देखते हैं, तो आपका भी मन मचल उठता है। मनोवैज्ञानिक कहते हैं, 'हम किसी चीज के स्वामित्व को जब सेल्फ एस्टीम से जोड़कर देखने लगते हैं, तब ऐसी इच्छा जाग्रत हो जाती है।' कई बार हम इन चीजों को प्रेस्टीज इश्यू बना लेते हैं।

बालों पर हाथ फेरना: व्यक्तित्व विकास के विशेषज्ञ ग्लेन विल्सन ने अपनी किताब 'इंट्रोड्यूसिंग बॉडी लैंग्वेज: ए प्रैक्टिकल गाइड' में लिखा है कि दो व्यक्ति जब एक-दूसरे से व्यक्तिगत बातें कर रहे होते हैं, तो उनमें एक-दूसरे को देखकर अपने बालों में हाथ फेरने या अपने बालों से खेलने की इच्छा बलवती हो उठती है। इस स्थिति को मनोवैज्ञानिक 'सिंक्रोनी' या

'पोश्चरल ईको' कहते हैं। इनका कहना है कि हम अपने सोशल बिहेवियर का काफी कुछ अपने नजदीकी लोगों से देखकर सीखते हैं, इसलिए जाने-अनजाने में हम उनकी बॉडी लैंग्वेज की नकल कर बैठते हैं।

खुजली की तलब: एक अध्ययन के मुताबिक अपने सामने मौजूद किसी व्यक्ति को सिर या कान खुजलाते हुए देखने पर वहां मौजूद दूसरे लोगों को भी ऐसा करने की इच्छा करती है। मनोवैज्ञानिक कहते हैं, 'हमारे अवचेतन मन में किसी को खुजली करते देख या जम्हाई लेते देख, ऐसा दोहराने की स्वाभाविक प्रवृति होती है। ऐसा ही किसी को पानी पीते देखकर या टॉयलेट के लिए उठता देखकर किसी सार्वजनिक स्थान (जैसे सिनेमा हॉल, क्लास रूम या स्टेडियम) में होता है।

खुद को बीमार महसूस करना: कभी आपके साथ ऐसा जरूर हुआ होगा कि आपके किसी मित्र ने अपनी बीमारी के कुछ लक्षण आपको बताएं हों और आपने भी वैसा ही महसूस किया हो। रिसर्च बताते हैं कि हम दूसरों से 'डर' बहुत जल्दी पिकअप कर लेते हैं। आपने देखा होगा कि कई बार लोग बिना कारण जाने ही कुछ लोगों को सड़क पर दौड़ते देख, खुद भी दौड़ने लगते हैं। पेनसिलवेनिया विवि के मनोवैज्ञानिक लौरेन नेपोलिटानो कहते हैं, 'आप एक साधारण उदाहरण से इसे समझ सकते हैं। किसी संगीत समारोह में बेहद तेज संगीत को जब आप दूसरों को एंज्वॉय करते देखते हैं, तो खुद भी इसे एंज्वॉय करने लायक समझते हैं लेकिन पांच-दस लोग इसके 'लाउड' होने की शिकायत करते हुए कान पर हाथ धरते दिख जाते हैं तो आप भी अपने कान ढंक लेते हैं।

तनाव महसूस करना: 'सोशल न्यूरोसाइंस' जर्नल में प्रकाशित एक रिसर्च के मुताबिक सहकर्मी का तनाव देखकर अगल-बगल मौजूद दूसरे लोगों में भी स्ट्रेस हार्मोन रिलीज होने लगता है। दूसरे को टेंशन या तकलीफ में देखकर दुखी या तनावग्रस्त होना मानवीय प्रवृति है। ठीक ऐसा ही क्रोध के मामले में भी होता है। दूसरे का क्रोध देखकर हम भी उत्तेजित हो जाते हैं और क्रोध भरे स्वर में बात करने लगते हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ विस्कोंसिन-मेडिकल की शोधकर्ता एलिजाबेथ क्रुसमार्क के अनुसार, 'भावनात्मक संक्रामकता शरीर में घटित होने वाले केमिकल सिग्नल्स की वजह से उत्पन्न होती है। यही वजह है कि किसी को तनाव, क्रोध या बेचैनी में देखकर हम भी वैसा ही महसूस करने लगते हैं।'

कम या ज्यादा भोजन करना: कई अध्ययनों में पाया जा चुका है कि किसी रेस्तरां या पार्टी में आप अगर ज्यादा भोजन करने वाले लोगों के साथ हैं, तो आप भी ज्यादा मात्रा में भोजन कर लेते हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया में 12,000 से ज्यादा लोगों पर किए अध्ययन में पाया गया कि किसी समूह का एक व्यक्ति 'मोटा' हो जाए तो उसके नजदीकी लोगों में मोटापे की संभावना 57 फीसदी बढ़ जाती है। ठीक ऐसा ही सेहत के प्रति जागरूक और संयमित खान-पान करने वालों के साथ रहने से होता है। *

हंसना या मुस्कुराना

किसी सामूहिक कार्यक्रम के दौरान दूसरों को ठहाके मार कर देखना या एक व्यक्ति को मुस्कुराते हुए देखना स्वतः ही दूसरे लोगों को भी ठहाके मारने या मुस्कुराने के लिए प्रेरित कर देता है। खुशी या सकारात्मक प्रतिक्रिया भी उसी तरह दूसरों को प्रेरित करती है जैसे नेगेटिव एक्टिविटी करती है। मनोवैज्ञानिक कहते हैं हर क्रिया की प्रतिक्रिया इंसानी स्वभाव है। अगर कोई व्यक्ति आपको देखकर अच्छी टिप्पणी करता है, खुश होता है या मुस्कुराता है, तो आप खुद-ब-खुद ऐसा करने लग जाते हैं।

अनेक अध्ययनों से साबित हुआ है कि हमारी लापरवाही से प्रदूषित हो रहे वातावरण से अनेक बीमारियां पनप रही हैं। हम अपने पर्यावरण को प्रदूषणमुक्त बनाकर, सही जीवनशैली अपनाकर ही स्वस्थ रह सकते हैं। इसके लिए प्रयास हमें ही करने होंगे।

पर्यावरण बनाएं प्रदूषणमुक्त आप रहेंगे स्वस्थ-ऊर्जावान

दायित्व
डॉ. राकेश 'चक्र'

वर्षों से अनेक वैज्ञानिक अध्ययन इस बात को इंगित कर रहे हैं कि हम इंसान ही अपने पर्यावरण को प्रदूषित करते जा रहे हैं। यह जानते हुए भी कि यह प्रवृत्ति हमें विनाश की ओर ले जा सकती है, प्रकृति और पर्यावरण के विरुद्ध गैर जिम्मेदाराना कार्यशैली अपनाकर उसे प्रदूषित करते ही जा रहे हैं।

हमारी लापरवाही है जिम्मेदार: यह बहुत चिंता का विषय है कि हम अपनी रोजमर्रा की कार्यशैली से पर्यावरण को प्रदूषित करते जा रहे हैं। हमने प्रकृति के पंच तत्वों-अग्नि, वायु, आकाश, पृथ्वी और जल को प्रदूषित करके भारी नुकसान पहुंचाया है और निरंतर पहुंचाते ही जा रहे हैं। हालात यह हो चुके हैं कि पानी को आरओ से शुद्ध करके पीना पड़ रहा है या फिर फिल्टर्ड पानी की बोतल खरीदनी पड़ रही है। कैंसर के रोगियों में निरंतर वृद्धि हो ही रही है। पैदल चलना अब शान-शौकत के विरुद्ध माना जाता है। पचास-सौ मीटर के लिए भी वाहन का प्रयोग किया जाता है। इसी सुविधाभोगिता के चलते रोग और रोगियों का ग्राफ बढ़ रहा है।

हालात हो जाएंगे गंभीर: अगर हालात यही रहे, तब निकट भविष्य में हमें श्वास लेने के लिए हमेशा मास्क पहन कर चलना पड़ेगा। कदाचित अब जल्दी ही ऐसा भयावह समय आने वाला है कि हमें ऑक्सीजन का सिलेंडर साथ में लेकर चलना पड़ेगा, तब कहीं हम श्वास लेकर जीवित रहने के लिए संघर्ष कर पाएंगे। ऐसे में हमें चिंतन-मनन करना ही होगा कि हम किस दिशा और दशा की ओर बढ़ रहे हैं? इसमें सुधार के लिए पर्यावरण को स्वच्छ करने की शुरुआत हमें स्वयं से ही करनी होगी। यह तभी हो सकता है, जब हम अपने मन से पूरी तरह संकल्पित हो जाएं।

ऐसे करें खुद से शुरुआत: आने वाली भयावह स्थितियों से बचने के लिए सबसे पहले तो हम अपनी दिनचर्या में ही आमूल-चूल परिवर्तन करें। आहार-विहार को प्रकृति के अनुकूल ढालें। सुविधाभोगिता की वस्तुओं का प्रयोग उतना ही करें, जितना अतिआवश्यक हो। अपने आस-पास तुलसी, मनीप्लांट, स्नेकप्लांट, नीम, पीपल आदि के पौधे अधिक से अधिक रोपें और देखभाल करें। सुविधाभोगिता में कटौती करके ही बिजली की बचत की जा सकती है। 'एसी संस्कृति' भयावह प्रदूषण की ओर ले जा रही है। हम न भूलें एसी में प्रयुक्त होने वाली गैस वातावरण को प्रदूषित करती है। इसलिए जहां तक संभव हो एसी का प्रयोग न करें या बहुत सीमित मात्रा में करें।

स्वच्छता का रखें ध्यान: अपने घर के आस-पास सड़क और पार्क की स्वच्छता का भी ध्यान रखें। घर की रसोई से निकलने वाले सब्जियों और फलों के छिलके, चाय पत्ती आदि का खाद बनाएं, वह आसानी से बन जाता है। इसका तरीका यही है कि छिलके आदि को खाली गमले, प्लास्टिक के कट्टे या अनुउपयोगी बाल्टी, डब्बे आदि में भरते जाएं। जब वह आधा भर जाए तो उसमें ऊपर से मिट्टी भर दें। दो चार दिन थोड़ा-थोड़ा पानी डाल दें, मिट्टी के ऊपर कोई भी पौधा रोप दें। पौधा बढ़ता रहेगा और कचरा खाद में परिवर्तित होकर उपयोगी मिट्टी बनता रहेगा।

यथासंभव रोकें प्रदूषण: जरूरी नहीं कि कहीं भी जाने के लिए स्कूटर, बाइक या कार ही निकालें। आस-पास एक डेढ़ किलोमीटर की दूरी दस-पंद्रह मिनट पैदल चलकर तय कर सकते हैं। कुछ अधिक दूरी को साइकिल से भी पूरा कर सकते हैं। इससे हम स्वस्थ भी रहेंगे।

जीवनशैली में करें सुधार: कूड़ा-करकट यथास्थान पर ही एकत्र करें, इधर-उधर न फेंकें। धूम्रपान, गुटखा और मद्यपान आदि से बचें। ये सिर्फ वातावरण को ही नहीं हमारे शरीर के तंत्र को भी प्रदूषित कर देते हैं। *

साल 1975 देश के लिए सामाजिक-राजनीतिक दृष्टि से उथल-पुथल भरा रहा। हिंदी सिनेमा के लिहाज से भी वह वर्ष अभूतपूर्व रहा। उस वर्ष आई उन तीन फिल्मों 'दीवार', 'शोले' और 'जय संतोषी मां' से जुड़ी कुछ रोचक बातों पर एक नजर, जिसने सफलता और कमाई के झंडे तो गाड़े ही, हिंदी सिनेमा को नई दिशा भी दी।

तीन ब्लॉक बस्टर फिल्मों के 50 साल शोले-दीवार-जय संतोषी मां

बड़ा पर्दा / मनोज प्रकाश

अब से पचास साल पहले यानी वर्ष 1975 में सिल्वर स्क्रीन पर तीन ऐसी हिंदी फिल्में रिलीज हुईं, जिसने कमाई और कामयाबी के नए कीर्तिमान स्थापित किए। आपातकाल का वह वर्ष देशवासियों की चेतना में, उनके जीवन में कई तरह के बदलाव लेकर आया। वहीं उस साल रिलीज हुई तीन सुपरहिट फिल्मों ने हिंदी सिने प्रेमियों को मनोरंजन और भक्ति का बेहतरीन तोहफा दिया। वह साल हिंदी फिल्म जगत के लिए मील के पत्थर की तरह रहा। उस साल बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने वाली तीन फिल्में थीं- 'दीवार', 'शोले' और 'जय संतोषी मां'। 2025 इन तीनों ही फल्मों की रिलीज का स्वर्ण जयंती वर्ष है।

दीवार लिखी सफलता की नई इबारत

वर्ष 1975 में 24 जनवरी को फिल्म 'दीवार' रिलीज हुई। यह उस दौर में एक नई तरह की फिल्म थी। फिल्म का कथानक सामाजिक मुद्दों को उठाते हुए कुछ इस तरह से रचा गया था कि इसने गरीबी, अन्याय, भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों को विस्फोटक रूप से पेश किया। फिल्म में दो भाइयों के बीच खड़ी 'दीवार' ने दर्शकों को अपनी तरफ खूब खींचा। इसमें अमिताभ की 'एंग्री यंग मैन' इमेज के दर्शक कायल हो गए। सही अर्थों में इस फिल्म को न्यायप्रिय समाज का प्रतिबिंब कहा जा सकता है। 'दीवार' के डायलॉग्स आज भी सिने-प्रेमियों के बीच लोकप्रिय हैं। 'मैं आज भी फेंके हुए पैसे नहीं उठाता', 'जाओ पहले उस आदमी के साइन लेकर आओ..' जैसे डायलॉग्स सुनते ही सिनेमाघरों में दर्शकों की सीटियां और तालियां गूंजने लगती थीं। अन्याय के खिलाफ लड़ने वाले नायक के रूप में अमिताभ बच्चन को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला। इसी फिल्म में शशि कपूर का डायलॉग 'मेरे पास मां है' दर्शकों को इमोशनल कर जाता है।

शोले तोड़े कामयाबी के रिकॉर्ड

15 अगस्त 1975 को रिलीज हुई 'शोले' को हिंदी फिल्म इतिहास के अब तक की सबसे बेहतरीन फिल्मों में से एक के रूप में गिना जाता है। जब यह फिल्म रिलीज हुई तो इसके सफल होने पर ही लोग शक कर रहे थे। लेकिन इस फिल्म को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला। फिल्म ने सफलता के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। इस फिल्म ने सौ सिनेमाघरों में अपनी रिलीज की सिल्वर जुबली और पचास से अधिक में गोल्डेन जुबली का रिकॉर्ड कायम किया। फिल्म निर्माण जगत में यह क्रांतिकारी बदलाव लाने वाली फिल्म मानी जाती है। फिल्म का वह दृश्य जिसमें जय (अमिताभ) वीरू (धर्मेंद्र) को कारतूस लाने के लिए कहता है, उसमें सिक्के का एक ही पहलू अभी तक दर्शकों को रोमांचित कर देता है। जहां कहीं दोस्ती निभाने की बात आती है, वहां जय-वीरू और 'शोले' का सिक्का दर्शक नहीं भूलते हैं। जय का बसंती (हेमा मालिनी) से पूछना, 'तुम्हारा नाम क्या है बसंती?' वीरू का टंकी वाला सीन और 'सुसाइड' वाला डायलॉग। गब्बर (अमजद खान) के डायलॉग्स, 'कितने आदमी थे?', 'तेरा क्या होगा कालिया?', बसंती (हेमा मालिनी) का डायलॉग, 'चल धन्नो, आज तेरी बसंती की इज्जत का सवाल है', ठाकुर (संजीव कुमार) पर फिल्माए गए दृश्य और संवाद। राधा (जया बच्चन) का चुलबुलापन और मौन। 'अंग्रेजों के जमाने के जेलर' (असरानी) और सूरमा भोपाली (जगदीप) के कॉमेडी सींस। फिल्म का एक-एक दृश्य, एक-एक पात्र, एक-एक डायलॉग, एक-एक गीत आज भी सिने प्रेमियों के जेहन में जीवंत है।

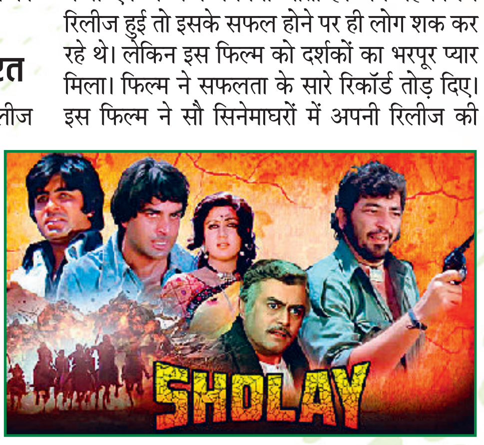

जय संतोषी मां जलाई भक्ति की अलख

'दीवार' और 'शोले' ने जहां हिंसा और बदले की भावना को प्रतिबिंबित किया, वहीं 'जय संतोषी मां' ने आस्था, भक्ति और विश्वास की जीत दिखाकर ब्लॉक बस्टर का तमगा हासिल किया। यह फिल्म 'शोले' के साथ ही यानी 15 अगस्त 1975 को रिलीज हुई थी। सामूहिक परिवार की कहानी में भाइयों की आपसी खींचतान के साथ इस फिल्म ने धर्म तथा आस्था का बेजोड़ संगम प्रस्तुत किया। आस्था, विनम्र भक्ति में रची-बसी 'जय संतोषी मां' ने भक्ति फिल्मों के एक ऐसे युग की शुरुआत की, जिसको पचास साल बाद भी भारतीय फिल्म उद्योग और समाज मानक मानकर चलता है। फिल्म में भजन और आरती के समय दर्शक एक साथ खड़े हो जाया करते थे। फिल्म समीक्षक इस बात को प्रमुखता से इंगित करते हैं कि फिल्म की रिलीज के बाद समाज में संतोषी माता के प्रति आस्था में अभूतपूर्व वृद्धि हुई। फिल्म के भजन और आरती- 'मैं तो आरती उतारूं रे', 'यहां-वहां, जहां-तहां, मत पूछो कहां-कहां', 'करती हूं तुम्हारे व्रत मैं', 'मदद करो संतोषी माता' भक्ति संगीत में मील के पत्थर बन चुके हैं। आज भी इस फिल्म के गीत घरों और मंदिरों में भक्तिभाव से गाए, बजाए और सुने जाते हैं। *